केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

27 जून 2025
शुक्रवार

आपकी आवाज

बिहार से गरीबी, अशिक्षा को खत्म करने का रास्ता है स्कूल बैग : पीके 4

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से भेजा संदेश, बोले- यहां बच्चे की तरह चलना और खाना सीख रहा हूं

भारत के लिए गर्व के पल

- वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रखा कदम
- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने शुभांशु शुक्ला

एजेंसी/नई दिल्ली

26 जून 2025 का दिन भारत के अंतरिक्ष इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया, जब भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखा। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय और 41 साल बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए। शुभांशु शुक्ला ने यह ऐतिहासिक उड़ान एक्सिओम स्पेस के प्राइवेट मिशन एएक्स-4 के तहत भरी। उन्होंने स्पेस एक्स के ड्रैगन ग्रेस यान से अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी, जो भारतीय समयानुसार 26 जून दोपहर 12:00 बजे लॉन्च हुआ। करीब 14 घंटे की यात्रा के बाद यान ने अंतरिक्ष स्टेशन के हारमनी मॉड्यूल से सफलतापूर्वक डॉकिंग की। अंतरिक्ष में पहुंचते ही शुभांशु शुक्ला ने भारतवासियों के लिए एक भावुक संदेश भेजा। उन्होंने कहा, नमस्कार दोस्तों, मैं अंतरिक्ष से बोल रहा हूं। यहां सब कुछ भारहीन है। बिल्कुल बच्चे की तरह चलना और खाना सीख रहा हूं। यह अविस्मरणीय अनुभव है।

14 दिनों में खाद्य और पोषण से जुड़ा शोध करेंगे शुभांशु

एएक्स-4 मिशन में शुभांशु शुक्ला के साथ पेगी व्हिटसन (मिशन कमांडर), स्लावोश उजनस्की (पोलैंड), तिबोर कापू (हंगरी) शामिल हैं।

वैज्ञानिक प्रयोग और भारत की हिस्सेदारी: शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने दो सप्ताह के प्रवास के दौरान खाद्य और पोषण से जुड़ा शोध करेंगे। उनका प्रयोग विशेष रूप से पोषक तत्वों से भरपूर शैवाल पर केंद्रित होगा। यह शोध इसरो, डीबीटी और नासा के सहयोग से तैयार किया गया है। इस रिसर्च में यह जांचा जाएगा कि माइक्रोग्रेविटी और विकिरण का असर शैवाल की जेन एक्सप्रेशन, प्रोटीन सिंथेसिस और मेटाबोलिक एक्टिविटी पर कैसा होता है। अंतरिक्ष में उगाई गई शैवाल की तुलना पृथ्वी पर उगाई गई शैवाल से की जाएगी।

गगनयान मिशन से पहले की बड़ी छलांग: शुभांशु शुक्ला इसरो के 2025 में प्रस्तावित 'गगनयान मिशन' के लिए चयनित चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं। उनकी यह उड़ान भारत की पहली स्वदेशी मानवयुक्त अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक अहम अभ्यास है। आपको बता दें कि 1984 में राकेश शर्मा पहले भारतीय थे जिन्होंने सोवियत मिशन सोयुज-टी-11 के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी, लेकिन वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन नहीं गए थे।

मैं चाहता हूं कि हर कोई इस मिशन का हिस्सा महसूस करे

लाइव कॉल में शुभांशु शुक्ला ने कहा कि यह मिशन भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम और आगामी गगनयान मिशन के लिए एक मजबूत कदम है। तिरंगा देखकर मुझे याद आया कि आप सभी इस यात्रा में मेरे साथ हैं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम और आगामी गगनयान मिशन के लिए एक मजबूत कदम है। मैं चाहता हूं कि आप में से हर कोई इस मिशन का हिस्सा महसूस करे। यह केवल तकनीकी महत्वाकांक्षा के बारे में नहीं है। यह पूरी यात्रा के पीछे की भावना और उद्देश्य के बारे में है। अगले 14 दिनों में मेरा लक्ष्य प्रमुख कार्यों को पूरा करना और अपने अनुभवों को कैद करना है, ताकि मैं उन्हें आप सभी के साथ साझा कर सकूं। शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यान से दृश्य भी साझा किए, जो वर्तमान में पृथ्वी से 418 किमी ऊपर है। इससे पहले शुभांशु शुक्ला बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए, जो 41 साल के अंतराल के बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी का प्रतीक है।

राकेश शर्मा ने दी बधाई: शुभांशु शुक्ला के मिशन लॉन्च होने के बाद भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने भी उन्हें बधाई दी, जो 1984 में ही अपने पीठ पर भारत का तिरंगा लेकर अंतरिक्ष गए थे और देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया था। राकेश शर्मा ने शुभांशु शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में कहा, आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। क्रू को मेरी ओर से शुभ यात्रा! खिड़की से बाहर देखने में जितना समय बिता सको, बिताना। मजे करो दोस्तों।

खबरें फटाफट

पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध कवि डॉ सुरेंद्र दुबे का निधन

रायपुर। प्रसिद्ध कवि, व्यंग्यकार और आयुर्वेदाचार्य डॉ. सुरेंद्र दुबे का निधन हो गया। जानकारी के अनुसार डॉ. सुरेन्द्र दुबे का उपचार एसीआई रायपुर में चल रहा था। हृदय की गति रूकने के कारण गुरुवार दोपहर उन्होंने अंतिम सांस ली। इसकी जानकारी उनके परिजनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक, दुबे का जन्म 8 अगस्त 1953 को बेमेतरा, दुर्ग, भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हुआ था। उन्होंने पांच पुस्तकें लिखी हैं, भारत सरकार ने उन्हें साल 2010 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया था। वे 2008 में काका हाथरसी से हास्य रत्न पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी रहे है। हास्य और व्यंग्य को अक्सर हल्के में लिया जाता है, लेकिन डॉ. दुबे जैसे कवियों ने इसे गंभीर साहित्यिक विधा बना दिया। उनकी कविताएं केवल हँसी नहीं देती थीं, वे भीतर झाँकने का मौका भी देती थीं। मंच पर उनका आत्मविश्वास, प्रस्तुति की शैली और चुनी हुई शब्दावली श्रोताओं को बांध लेती थी।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा: बद्रीनाथ धाम जाने के दौरान ट्रक ने मारी टक्कर

रुद्रप्रयाग के पास अलकनंदा नदी में गिरी बस, 3 लोगों की मौत, 8 घायल, 9 लापता

- राजस्थान, गुजरात मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के यात्री थे बस में
- एसडीआरएफ और पुलिस की टीम लापता लोगों की तलाश में जुटी

एजेंसी/देहरादून

उत्तराखंड में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। बद्रीनाथ हाईवे पर दौड़ रही बस रुद्रप्रयाग के पास अलकनंदा नदी में गिर गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। 8 घायल हैं। 9 लोग लापता हैं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस बल और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। लापता यात्रियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, ट्रैवलर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्री बैठे थे। हरिद्वार निवासी बस ड्राइवर सुमित यात्रियों को केदारनाथ से दर्शन कराकर बद्रीनाथ धाम ले जा रहे थे। इस बीच रुद्रप्रयाग में घोलतीर के पास एक ट्रक ने पीछे से ट्रैवलर को टक्कर मार दी। मिनी ट्रैवलर अलकनंदा में जा गिरी। हादसे में एमपी के राजगढ़ निवासी विशाल सोनी (42), गुजरात आईमाता चौक सूरत निवासी ड्रिमी (17) सहित एक अन्य की मौत हुई है। ड्राइवर सुमित को गंभीर चोट आई है। इनका इलाज रुद्रप्रयाग उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा-एक दुखद घटना की सूचना मिली है। घोलथिर स्थान पर एक बस नदी में गिर गई है। बस में ड्राइवर समेत 20 यात्री सवार थे। हम 8 लोगों को बचाने में सफल रहे हैं, अभी तक 3 लोगों की मौत की सूचना है। बाकी लोगों की तलाश जारी है।

घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम लापता लोगों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि लोगों ने बस को नदी में गिरते देखा और सूचना दी। हमारी टीमें तुरंत पहुंची। राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। श्रीनगर, गढ़वाल में बांध के पास तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक 8 लोगों को बचाने में सफल रहे हैं। बाकी लोगों की तलाश जारी है।

राहत एवं बचाव कार्यों में नदी का तेज बहाव चुनौती बना हुआ है लेकिन बचाव दल स्थानीय लोगों के साथ मिलकर लगातार श्रद्धालुओं की खोजबीन कर रहे हैं। वाहन में राजस्थान के उदयपुर का एक परिवार भी था जो चारधाम यात्रा पर आया था। बता दें कि बीते कुछ दिनों से केदारनाथ और रुद्रप्रयाग के अलग-अलग इलाकों में हो रही तेज बारिश के कारण अलकनंदा नंदी में भी पानी का बहाव तेज है। ऐसे में कहा जा रहा है कि बस के इसमें गिरने से कई यात्री इसके तेज बहाव में बह गए हैं।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जताया दुख

दर्दनाक हादसे को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा- जनपद रुद्रप्रयाग में एक 'टेंपो ट्रैवलर बस' के नदी में गिरने का समाचार अत्यंत दु:खद है। एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दलों द्वारा युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में निरंतर स्थानीय प्रशासन से संपर्क में हूं। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।

दरभंगा से दिल्ली जा रही बस इटावा में दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत, 50 घायल

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर हुए इस हादसे में एक स्लीपर बस हादसे का शिकार हुई है, इस घटना में अभी तक दो लोगों की मौत की खबर है जबकि 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये बस एक्सप्रेस वे से 30 फीट नीचे गिरी है। शुरूआती जांच में पता चला है कि ये बस बिहार के दरभंगा से दिल्ली जा रही थी। जिस समय ये घटना हुई है उस दौरान इस बस में 60 से 65 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। स्लीपर बस में मौजूद सभी घायल यात्रियों को सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्लीपर बस के चालक द्वारा बालू लदे ट्रक में जोरदार टक्कर मारने के कारण बैलेंस बिगड़ गया और बस हाईवे से नीचे पलट गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती घायल यात्रियों ने बताया कि बस चालक की लापरवाही के कारण हुआ है हादसा। घायल यात्रियों ने बताया कि बस चालक को अचानक झपकी आ गई थी। इससे बस डिवाइडर से टकराई और हाईवे से नीचे खंदी में जा गिरी। इटावा में हुए भीषण सड़क हादसे में नेपाल का नागरिक भी घायल हुआ है। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

तेजस्वी बोले... बिहार का युवा अब नीति भी बनाएगा, नेतृत्व भी करेगा

बेकाबू भीड़ ने तोड़ा बापू सभागार का शीशा

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना के बापू सभागार में तेजस्वी यादव ने युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम खत्म होने पर भीड़ बेकाबू हो गई। इस दौरान सभागार का शीशा टूट गया। इसे लेकर बीजेपी ने आरजेडी को निशाने पर लिया है। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि बापू सभागार में तेजस्वी के कार्यक्रम के दौरान जिस तरह से बवाल काटा गया, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, यह जंगलराज-2 की आहट ही तो है। इससे पहले कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, नीतीश कुमार को बीस साल दिए, मुझे बीस महीने दीजिए। कुंभकर्णी नींद में सोने वालों का समय गया। बिहार के लिए सकारात्मक सपना संजोने वालों का समय आ गया है। बिहार के छात्रों और युवाओं का समय आ चुका है। तेजस्वी यादव ने कहा, जुमलेबाज प्रधानमंत्री देश के सबसे गरीब राज्य बिहार में आते हैं, जहां 20 साल से उनकी पार्टी, उनके गठबंधन की सरकार है, पर गरीबों पर एक शब्द नहीं कहते हैं। बेरोजगारी पर मुंह भी नहीं खोलते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री की तो बात ही ना की जाए तो अच्छा है। वह तो अपना मानसिक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य ही खो बैठे हैं। आरजेडी नेता ने कहा, बिहार का युवा अब नीति भी बनाएगा और नेतृत्व भी करेगा। ये बिहार है। ये भगवान बुद्ध, महावीर और गुरु गोविंद सिंह की धरती है। यहां नफरत कट्टरपंथ की राजनीति नहीं चलेगी। यहां युवाओं और छात्रों के नेतृत्व में विकास, उत्थान और मोहब्बत की तेजस्वी सरकार चलेगी।

प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा-नीतीश सरकार की रोजमर्रा गाली-गलौज, छींटाकशी, आरोप-प्रत्यारोप, बहानेबाजी, कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार और अफसरशाही से बिहार का भला नहीं होगा। बिहार का भला पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई वाली तेजस्वी सरकार से ही होगा।

रक्षा मामलों से जुड़ी जानकारी पाकिस्तानी हैंडलर को देने के आरोप में नेवी का कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में इंडियन नेवी के एक कर्मचारी को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। यह कर्मचारी दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय में तैनात था। उस पर आरोप है कि उसने रक्षा मामलों से जुड़ी अहम जानकारी को पाकिस्तानी हैंडलर को लीक किया है और इसमें ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी भी शामिल है। इस कर्मचारी का नाम विशाल यादव है और वह हरियाणा के रेवाड़ी का रहने वाला है। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके में चल रहे आतंकी ठिकानों पर 6-7 मई की रात को जबरदस्त एयर स्ट्राइक की थी।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, विशाल यादव दिल्ली में स्थित नौसेना भवन के डॉकयार्ड निदेशालय में अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) के पद पर तैनात है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस विष्णु कांत गुप्ता ने बताया कि यादव ने यह अहम जानकारी एक महिला पाकिस्तानी हैंडलर को दी। इस महिला ने खुद को भारतीय बताया था। आईजीपी विष्णु कांत गुप्ता ने कहा, यादव ने स्वीकार किया है कि उसने जो जानकारी पाकिस्तानी महिला हैंडलर को दी थी उसके बदले में उसे लगभग 2 लाख रुपये मिले थे। इसमें से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने के लिए मिले 50 हजार रुपये भी शामिल हैं।

रिटायर्ड एआईजी अजय कृष्णा की 2.81 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त

एजेंसी/पटना

पटना भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी मुहिम के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए विशेष निगरानी अदालत ने रजिस्ट्रेशन विभाग के रिटायर्ड एआईजी अजय कृष्णा मिश्रा की 2 करोड़ 81 लाख से अधिक की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। लोक अभियोजक राजेश कुमार ने बताया कि यह आदेश निगरानी कोर्ट ने भ्रष्टाचार से अर्जित अवैध संपत्ति को जब्त करने के तहत दिया है। कोर्ट ने पटना के डीएम को निर्देश दिया है कि वे 30 दिनों के भीतर संबंधित संपत्तियां जब्त कर निगरानी विभाग को सुपुर्द करें। यदि संपत्ति की सुपुर्दगी में कोई बाधा आती है, तो डीएम खुद जब्ती की कार्रवाई करेंगे। जब्त की जा रही संपत्तियों में गाजियाबाद में दो फ्लैट, मुंबई-बेंगलुरु में एक-एक फ्लैट, पटना में दो फ्लैट और एक दुकान, दरभंगा में दो मकान, राजीव नगर (पटना) में एक मकान और कई अन्य स्थानों पर भूखंड शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने शुरू की प्रक्रिया, इन दलों ने 2019 से अब तक एक भी चुनाव में नहीं लिया है हिस्सा

345 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल सूची से हटाए जाएंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपीएस) के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत गुरुवार को आयोग ने बताया कि उसने 345 पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपीएस) को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग के अनुसार, इन दलों ने 2019 से अब तक यानी पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव में हिस्सा नहीं लिया है, जो पंजीकरण बनाए रखने की एक जरूरी शर्त है। साथ ही चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि इन पार्टियों के कार्यालय भी कहीं पर भौतिक रूप से मौजूद नहीं हैं, यानी ये केवल कागजों पर ही दर्ज हैं। आयोग के अनुसार देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये 345 राजनीतिक दल सक्रिय होने का दावा करते हैं, लेकिन वास्तविक रूप से ऐसा कोई प्रमाण नहीं है।

बता दें कि फिलहाल चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में 2800 से ज्यादा RUPPs दर्ज हैं, लेकिन इनमें से कई दल जरूरी शर्तें पूरी नहीं कर रहे हैं। आयोग ने कहा कि ऐसे दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया जारी है ताकि चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और जिम्मेदार बनाया जा सके। गौरतलब है कि चुनाव आयोग इन दिनों लगातार एक्शन में नजर आ रहा है। कारण है कि बिहार के साथ-साथ कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने है। इसको लेकर आयोग ने बुधवार को घोषणा की कि आयोग बिहार के साथ-साथ पांच और राज्यों में मतदाता सूची की गहराई से समीक्षा करने जा रहा है। ये वो राज्य हैं, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करेगा, ताकि वह अपने सांविधानिक दायित्व का पालन करते हुए मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रख सके।

जुगाड़ गाड़ी से शराब तस्करी का भंडाफोड़, 2.25 लाख की शराब जब्त

♦ चौसा स्थित उत्पाद विभाग के चेकपोस्ट पर टीम ने किया तस्करी का भंडाफोड़, तीन धंधेबाज गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शराब तस्कर नए-नए हथकंडे अपना कर तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला चौसा के उत्पाद चेकपोस्ट का है, जहां गुरुवार की दोपहर उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक देसी जुगाड़ गाड़ी से तहखाना बनाकर छिपाई गई भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की। इस दौरान मौके से तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया, जो शराब को उत्तर प्रदेश से ला कर पटना पहुंचाने की फिराक में थे।

तहखाना खोलते ही उड़ गए होश उत्पाद निरीक्षक आलोक रंजन ने बताया कि चेकपोस्ट पर रोजाना की तरह वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक जुगाड़ गाड़ी पर सवार तीन व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई। प्रारंभिक जांच में कुछ हाथ नहीं लगा, लेकिन शक के आधार पर जब गाड़ी की बारीकी से तलाशी ली गई और उसमें बने तहखाने को खोला गया, तो सभी हैरान रह गए। तहखाने से महंगे ब्रांड की करीब 124 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

जब्त की गई शराब की अनुमानित बाजार मूल्य सवा दो लाख रूपए आंकी जा रही है। यह शराब महंगे ब्रांड की बताई जा रही है, जिसे खपाने की तैयारी पटना सहित बिहार के अन्य हिस्सों में की जा रही थी। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पटना के मखदुमपुर निवासी अर्जुन महतो और गौतम कुमार तथा छपरा के पहलेजा घाट निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी लंबे समय से शराब तस्करी के धंधे में शामिल हैं और उत्तर प्रदेश से शराब लाकर बिहार के विभिन्न जिलों में आपूर्ति करते हैं।

नेटवर्क की हो रही है जांच : उत्पाद विभाग अब इन तस्करों के नेटवर्क की तह तक जाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इनके संपर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और इस गोरखधंधे में किसका सहयोग मिल रहा है तथा कितने दिनों से ये लोग शराब की तस्करी कर रहे थे।

तस्करों की तरकीब देख हैरान हुई पुलिस: जुगाड़ गाड़ी में स्पेशल तहखाना बना शराब तस्करी के तस्करों की जुगत देख उत्पाद विभाग की पुलिस भी हैरान हो गई थी। अबतक तस्करों द्वारा बड़े वाहनों में ही शराब की खेप छिपाने के लिए स्पेशल तहखाना बनाया जा रहा था, लेकिन अब तस्कर जुगाड़ गाड़ी जैसे वाहन में भी तहखाना बना शराब की तस्करी करने लगे है। इस मामले का पदार्फाश होते ही पुलिस अब और सतर्क हो गई है।

एक नजर

चलती ऑटो से गिर युवक गंभीर रूप से जख्मी, अनुमंडलीय अस्पताल में हुआ इलाज

डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर डुमरांव थाना क्षेत्र के टेढ़की पुल के पास एक युवक चलती ऑटो से गिर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना सुबह नौ बजे की है। युवक के सर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई थी। संयोग से उस समय उधर से अनुमंडलीय अस्पताल के रोगी कल्याण समिति सदस्य अजय राय व सामाजिक कार्यकर्ता विकास यादव गुजर रहे थे, दोनों ने मानवता का परिचय देते हुए उसे उठा तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां समय से प्राथमिक इलाज मिलने से युवक की जान बच गई। युवक की पहचान मुरार थाना क्षेत्र के ठोरी पांडेयपुर गांव निवासी चंद्रभुजी तिवारी के 19 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार के रूप में हुई है। प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही उसके स्वजन भी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंच गए थे। अजय ने बताया कि शुरू में युवक की पहचान भी नहीं हो पा रही थी। प्राथमिक इलाज के बाद जब उसे कुछ राहत मिला तब उसने अपना पहचान बताया, इसके बाद उसके स्वजनों को इसकी जानकारी दी गई। घटना के बाद एक तरफ उसके स्वजन युवक की हालत को देख चिंतित थे तो दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकताओं के इस प्रयास की सराहना भी कर रहे थे।

जनप्रतिनिधियों पर उठे सवाल: युवाओं ने श्रमदान कर मरम्मत की टूटी नाली

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के सोनवर्षा पंचायत अंतर्गत वार्ड एक में नाली की सफाई के बाद मुख्य चौक के पास की टूटी हुई नाली की मरम्मत युवाओं ने श्रमदान से कर मिसाल पेश की है। यह वही स्थान है जहां हाल ही में युवाओं द्वारा श्रमदान से सफाई अभियान चलाया गया था। नाली क्षतिग्रस्त हो जाने से चौक क्षेत्र में गंदे पानी का जमाव हो रहा था, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी। स्थानीय युवाओं ने बिना किसी सरकारी सहायता के खुद पहल करते हुए ईंट, सीमेंट, बालू की व्यवस्था कर नाली की मरम्मत का कार्य संपन्न किया। समाजसेवी अजमेर खान, आलमगीर आलम, तूफानी लाल, साधु मियां, लाल बाबू, मुनीर मियां, गुड्डू मियां, कुर्बान अली, राजा अली का कहना है कि यदि वे खुद आगे नहीं आते, तो नाली की मरम्मत के नाम पर सिर्फ शिकायतें और इंतजार ही होता। इधर इस पूरी स्थिति में जनप्रतिनिधियों व पंचायत प्रशासन की भूमिका निराशाजनक रही। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई अधिकारी या जनप्रतिनिधि मौके पर नहीं आया और न ही कोई सहायता दी गई। इस पहल ने एक ओर जहाँ युवा शक्ति की जागरूकता और जिम्मेदारी को दशार्या, वहीं दूसरी ओर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि आगे से शासन प्रशासन ऐसे मामलों में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

खबरें फटाफट

फरार शराब तस्कर गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म पुलिस ने एक फरार शराब तस्कर का गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान छोटका ढकाईच गांव निवासी राजू मुसहर पिता स्व. बिरेंद्र मुसहर के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने बताया कि वह शराब तस्करी के एक मामले में नामजद अभियुक्त था, जिसमें वह फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे छोटका ढकाईच गांव से गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

5612.94 लीटर शराब किया विनष्ट

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने गुरूवार को पिछले सात कांडो में जब्त 5612.94 लीटर शराब पर बुलडोजर चला विनष्ट किया। शराब विनष्टीकरण की यह कार्रवाई वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बतौर मजिस्ट्रेट अंचल कर्मी की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष मनीष कुमार मौजूद थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा पिछले सात कांडो में यह शराब बरामद हुआ था।

अंतर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आयोजित किया शपथ कार्यक्रम

युवाओं में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति राष्ट्र और समाज के लिए बड़ी चिंता: न्यायाधीश

♦ कार्यक्रम में शामिल अधिवक्ताओं व लोगों को दिलाई गई नशा से परहेज की शपथ

केटी न्यूज/बक्सर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग निवारण दिवस (नशा मुक्ति दिवस) पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ला ने उपस्थित सभी लोगों को नशा से परहेज करने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया।

अपने संबोधन में न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नेहा दयाल ने कहा कि आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां के लोगों को नशे कि लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है। युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे है, जो देश के लिए खतरनाक संकेत है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में सात दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। न्यायाधीश ने कहा कि समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा।

उन्होंने कहा कि नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। इसी जागरूकता के लिए हम सभी आज यहां इकट्ठा हुए है। कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझक सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा, इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे परिवार का कोई सदस्य तो नशे की तरफ नहीं जा रहा है। यदि ऐसा है तो हमें समय रहते उस को नियंत्रित करना होगा। यदि सभी लोग ऐसा करने लगेंगे तो धीरे-धीरे नशे की प्रवृत्ति कम होती चली जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब हमारा समाज, हमारा क्षेत्र, हमारा प्रदेश, हमारा देश नशा मुक्त बन सकेगा।

इस दौरान व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, मनोज कुमार प्रथम, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, सुधेश कुमार श्रीवास्तव, अनुपम कुमारी, संदीप कुमार सिंह, देवराज, सुनील कुमार सिंह, एवं अन्य सभी न्यायाधीश, कार्यालय कर्मचारी, सुधीर कुमार, दीपेश कुमार, सुमित कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार, अकबर अली वहीं न्यायिक कर्मचारी, राजीव कुमार, संजय कुमार, संतोष कुमार द्विवेदी, कृष्णा कुमार, अमरेंद्र भारती, कौसलेंद्र कुमार ओझा, अनिल कुमार, संदीप कुमार, आशीष कुमार, राजकुमार रजक, ओमप्रकाश आदि, व्यवहार न्यायालय, बक्सर में पदस्थापित, विधिक सहायता प्रतिरक्षा परामर्श प्रणाली के चीफ विनय कुमार सिंहा, डिप्टी चीफ कुमार मानवेंद्र, संजय कुमार चौबे एवं सहायक काजल कुमारी, अभिनव वशिष्ट, आकाश कुमार श्रीवास्तव एवं विकास यादव वही पैनल अधिवक्ता दीपिका कुमारी केशरी, अखिलेश्वर दुबे, रामा नंद मिश्रा, जितेंद्र कुमार सिन्हा, कंचन कुमारी, चंद्र विजय सिंह, चंद्र कला वर्मा एव अन्य विधिक सेवक सुंदरम कुमार, प्रेम प्रकाश पाठक, नीतू कुमारी, राधे श्याम, रुकैया, दीपक कुमार, अंजुम कुमार रावत, पैनल अधिवक्ता राजेश कुमार, रिंकी कुमारी, आरती कुमारी, अखिलेश्वर कुमार दुबे, विधिक स्वयंसेवक कवींद्र पाठक, गजेंद्र नाथ दुबे, सरोज कुमार चौबे, अशोक कुमार, अंजुम कुमार रावत, रुकैया आदि भी मौजूद रहें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

सरेंजा-खतीबा मार्ग पर गुरुवार सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार 19 वर्षीय युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब युवक अपने गांव बिझौरा से कुकुढ़ा की ओर जा रहा था।

मृतक की पहचान इटाढ़ी थाना के बिझौरा निवासी रवि साह का पुत्र मोहित कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मोहित किसी काम से बाइक से कुकुढ़ा जा रहा था, तभी रास्ते में तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने सामने से उसे टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक बाइक से उछलकर सड़क किनारे जा गिरा और गंभीर चोटों के चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इधर, घटना की जानकारी के बाद घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी हो व पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम को भेज दिया है। जांच के बाद पुलिस अज्ञात वाहन व चालक का पता लगा रही है।

अधिकारी और कर्मचारी आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न करें: एडीएम

♦ अपर समाहर्ता ने किया नावानगर अंचल कार्यालय का निरीक्षण

केटी न्यूज/नावानगर

अपर समाहर्ता, अरुण कुमार सिंह द्वारा गुरुवार को स्थानीय अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में मौजूद अधिकारियों व कर्मियों से विभिन्न विभागीय कार्यों की जानकारी ली गई। भूमि संबंधित मामलों, दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, एलपीसी निर्गमन, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता ने देखा कि कुछ फाइलों के निष्पादन में देरी हो रही है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सीओ व संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाए और आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने कार्य संस्कृति में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने पर जोर दिया। इस दौरान कार्यालय परिसर की साफ-सफाई और अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति भी देखी गई। कुछ स्थानों पर अव्यवस्था मिलने पर कर्मचारियों को सुधार के निर्देश दिए गए। अपर समाहर्ता ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित पर कार्रवाई तय है। निरीक्षण के समय अंचलाधिकारी सहित राजस्व कर्मचारी, लेखपाल और अन्य स्टाफ उपस्थित थे। निरीक्षण के बाद स्थानीय लोगों से मिलकर उन्होंने जन समस्याएं भी सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया।

छह लीटर देसी शराब के साथ धंधेबाज को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मठिला गांव में गुरुवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देसी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि मठिला गांव का एक व्यक्ति शराब की खेप लेकर कहीं जाने की तैयारी में है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्ध स्थान पर छापेमारी की, जहां से संतोष नाथ नामक व्यक्ति को धर-दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से छह लीटर देसी शराब बरामद की गई, जिसे वह छिपाकर रखा था। पूछताछ में आरोपी ने शराब बेचने के उद्देश्य से उसे रखने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मौके से शराब जब्त कर ली है और आरोपी को थाने लाकर उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बिहार उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

ऐतिहासिक विजय के 486 वे वर्षगांठ पर शेरशाह सूरी जनकल्याण संस्थान ने विजयोत्सव पर किया पौधरोपण

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होने पर बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

♦ 26 जून के दिन देश की सल्तनत को बदलने वाला हुआ था चौसा का ऐतिहासिकस युद्ध

केटी न्यूज/बक्सर

26 जून को चौसा में हुए युद्ध मे अफगानी शासक के विजय के 486 वें विजयोत्सव के रूप में मनाते हुए गुरुवार को शेरशाह सूरी जन कल्याण संस्थान चौसा के तत्वावधान में शौर्यस्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही मौके पर पौधरोपण किया गया।

उक्त स्थल पर कई फलदार व अन्य तरह के पौधे लगाए गए। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने बताया कि 26 जून को अफगानी शासक शेरशाह सूरी ने मुगल सल्तनत के शासक हुमायूं को चौसा में हुए युद्ध मे हराया था। इस युद्ध में हुमायूं को गंगा नदी में कूद भागना पड़ा था। शेरशाह के गुरिल्ला युद्ध मे मुगलों के आठ हजार आमिर सैनिक मारे गए थे। जिसमें हुमायूं की तीन रानियां भी गंगा में डूब गई थी। वहीं, डूबते हुमायूं को चौसा के भिस्ती निजामुद्दीन ने मशक के सहारे जान बचाई थी। जिसके एवज में दुबारा सत्ता हासिल होने पर एक दिन का राजा बनाया था। जिसने चमड़े का सिक्का चलाया था। चौसा के युद्ध ने दिल्ली की सल्तनत बदल दी थी। इस जीत को शेरशाह सूरी जनकल्याण संस्थान विजयोत्सव के रूप मनाने को संकल्पित है। हर वर्ष विजयोत्सव पर पौधरोपण किया जाता है।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में इस स्थल तक पहुंचने के लिए मार्ग बनवाने तथा संग्रहालय खोलने की मांग की तथा राज्य सरकार से इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि इस स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए जाने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा पर्यटना उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वार्ड पार्षद हृदय नारायण यादव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अशोक यादव के अलावे रामचन्द्र सिंह, रामजी पासवान, भोला मललाह, मुकेश यादव, नरेन्द्र कुमार, ईश्वर चन्द्र, भरत पाण्डेय, नीतेश उपाध्याय, दीपक कुमार, समीम, सुनील कुमार, पियूष रंजन, राजेश चौधरी, विनोद चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार, उपेन्द्र कुमार, हवलदार चौधरी, पवन यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बरसात में मरीजों को खान-पान पर देना चाहिए विशेष ध्यान, मच्छरों से बचाव भी जरूरी: डॉ. अरूण

- डुमरांव के सुमित्रा कॉलेज रोड स्थित कुमार अथोर्पेडिक में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर
- सैकड़ों मरीजों की हुई नि:शुल्क जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र के डुमरांव थाना अंतर्गत के ढेलवानी मोड़ स्थित सुमित्रा कॉलेज रोड स्थित कुमार अथोर्पेडिक क्लीनिक में गुरूवार को मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस मुफ्त चिकित्सा शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सक तथा जेनरल व लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अरूण कुमार द्वारा सैकड़ो मरीजों की जांच कर उन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह दी गई तथा जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवा भी दिया गया। शिविर में दूर-दराज से सैकड़ो मरीज आए थे, जिन्हें डॉक्टर द्वारा बीपी, सुगर सहित कई अन्य तरह के रोगों की जांच की गई। इस दौरान उनके बीमारी के आधार पर उन्हें जरूरी सुझाव व दवा का लिख कर दिया गया। जबकि जरूरतमंद मरीजों को अस्पताल प्रबंधक जैनुल होदा उर्फ बब्लू द्वारा अपने स्तर से मुफ्त में दवा भी दिया गया। शिविर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक आयोजित किया गया था। शिविर में आए सभी प्रकार के मरीजों का मुफ्त जांच किया जा रहा था। अस्पताल संचालक बब्लू ने कहा कि इस शिविर का आयोजन समाज के कमजोर वर्ग के मरीजों को मुफ्त व उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधा दिलाने के उदेश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में सैकड़ो मरीजों की जांच कर उन्हें दवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर अरूण काफी अनुभवी डॉक्टर है तथा उनके द्वारा गॉल ब्लाडर स्टोन, हार्निया, अपेन्डिक्स, ब्रेस्ट-कैंसर, बच्चादानी, बवासीर (स्टेपलर विधि द्वारा), भकंदर, आंतों में छिद्र होना, हाईड्रोसिल, किडनी स्टोन, पुरूष नसबंदी, बिना टांके के एवं अन्य सभी प्रकार के जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक विधि (दुरबीन) द्वारा मरीजों का सफल ऑपरेशन किया जाता है।

इस मौसम में ताजा व हल्का भोजन ही लेना चाहिए: वहीं, केशव टाइम्स से बातचीत के दौरान डॉ. अरूण ने कहा कि बरसात के इस मौसम में लोगों को बीमारी से बचने के लिए खान-पान व रहन सहन में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हमें इस मौसम में ताजा व हल्का भोजन ही लेना चाहिए। तले हुए व बासी पदार्थ खाने से परहेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मौसम में फूड प्वाइजनिंग व जलजनित बीमारियां हो सकती है, जिससे बचाव के लिए हमे जागरूक होना पड़ेगा।

शिविर को संपन्न कराने में रही इन लोगों की विशेष भूमिका : इस शिवर के उद्घाटन के मौके पर स्थानीय वार्ड पार्षद कंचन सिन्हा उनके प्रतिनिधि टिंकू सिन्हा के अलावे कई अन्य गणमान्य मौजूद थे। वहीं, शिविर को संपन्न कराने में अस्पताल के रविशंकर तिवारी, कुश चौबे, राज, मनू अंसारी, मकसूद अंसारी, वाहिद आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। अस्पताल संचालक ने बताया कि डॉ. अरूण प्रत्येक गुरूवार यहां आते है। उन्होंने कहा कि समय समय पर ऐसे शिविर का आयोजन किया जाता रहेगा। जबकि, शिविर में आए मरीज काफी खुश नजर आ रहे थे तथा डॉक्टर के कुशल व्यवहार व इलाज के तरीकों की तारीफ करते देखे गए।

खबरें फटाफट

मदद के लिए जारी हुआ मोबाइल नंबर

काराकाट। काराकाट थाना का एक और सरकारी मोबाइल नंबर जारी हुआ है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि इससे पूर्व काराकाट थाना के सरकारी नंबर 9431822816 में कई बार नेटवर्क समस्याएं आती थीं। इन समस्याओं की वजह से लोगों को संपर्क करने में काफी कठिनाई होती थी। अब हम एक नए नंबर के साथ हैं, जिससे ये समस्याएं दूर होंगी। वहीं, अब 9264193244 दूसरा नए सरकारी संपर्क नंबर लोक हित के लिए उपलब्ध है।

छापेमारी कर 32 ली. शराब किया जब्त

बिक्रमगंज। पुलिस ने अवैध शराब कारोबार पर नकेल कसते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर महादलित बस्ती में छापेमारी कर करीब 32 लीटर देसी शराब बरामद की। इस दौरान शराब कारोबारी पुलिस की मौजूदगी की भनक लगते ही मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में शामिल तीन आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि फरार आरोपियों को चिन्हित कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

राज्य सलाहकार ने की फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा, बोले...

10 फरवरी से शुरू होगा एमडीएम जल्द पूरी करें तैयारी: डॉ. अनुज रावत

केटी न्यूज/भभुआ

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर फाइलेरिया के राज्य सलाहकार डॉ. अनुज सिंह रावत दो दिवसीय दौरे पर कैमूर पहुंचे। डॉ. रावत के साथ सिफार के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक रणविजय कुमार भी रहे। सबसे पहले राज्य सलाहकार ने निरीक्षण की शुरूआत मेढ़ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से की, जहां सीएचओ से बातचीत कर फाइलेरिया मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

साथ ही, फाइलेरिया क्लीनिक में दर्ज मरीजों के आंकड़ों की भी जांच की गई. उन्होंने कहा कि फाइलेरिया क्लीनिक एवं रोग से संबंधित सेवाएं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से भी प्रदान की जाएंगी। सीफार के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक रणविजय कुमार ने सीएचओ से रोगी हितधारक मंच के कार्यों पर चर्चा की और उन्हें सशक्त करने पर बल दिया. इसके बाद डॉ. रावत ने सदर अस्पताल कैमूर का निरीक्षण किया। जहां अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शांति कुमार मांझी, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सत्य स्वरुप, वीडीसीओ रोहित, भानू और अन्य सहयोगी कर्मियों ने कार्यक्रम से जुड़े दस्तावेजों एवं सुविधाओं की जानकारी दी। डॉ. मांझी ने कहा कि शीघ्र ही सभी प्रखंड में एमएमडीपी के प्रशिक्षण के संबंध में आधिकारिक पत्र निर्गत कर दिया जाएगा।

नवंबर माह में चलेगा नाइट ब्लड सर्वे: इस दौरान राज्य सलाहकार ने बताया कि आगामी 10 फरवरी 2026 को जिले में सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा और 30 नवंबर 2025 तक नाईट ब्लड सर्वे गतिविधियों को पूरा कर लेना है। उन्होंने एमएमडीपी सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जल्द से जल्द जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित करने और एएनएम व सीएचओ सहित सभी स्वास्थ्यकर्मियों को फाइलेरिया और एमएमडीपी का प्रशिक्षण देने की बात कही और इस संदर्भ में लेप्रा सोसाइटी के संतोष सिंह को नामित कर सभी प्रखंडों में प्रशिक्षण का आयोजन किया जाए। जिसके लिए लेप्रा सोसाइटी के राज्य समन्वयक रजनीकान्त सिंह से डॉ रावत ने मुलाकात की और अनुमति भी ले ली है। मरीजों को एमएमडीपी किट के माध्यम से टब, मग, टॉवल, साबुन, क्रीम, लोशन, कॉटन, बैंडेज विशेष प्रकार की चप्पल जैसे कई महत्वपूर्ण सामग्री दी जा रही है। जिससे की फाइलेरिया पीड़ित मरीज एमएमडीपी किट से खुद को स्वच्छ रख अपना बचाव कर सकें। वहीं इस बीमारी से दिव्यांग हुए मरीजों को चिह्नित कर उनका ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है और सरकार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिया जा रही है।

पोर्टल पर मरीजों का डाटा अपलोड करने का निर्देश: डॉ. रावत ने रोहित कुमार को आईएचआईपी पोर्टल पर समयबद्ध डाटा प्रविष्टि करने और जिले के सभी प्रखंडों एवं शहरी इकाइयों की आईएचआईपी मैपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाइन लिस्टेड फाइलेरिया मरीजों की स्क्रीनिंग कर उनकी पुष्टि कर ली जाए और संबंधित डेटा को आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने संकेत दिया कि जल्द ही राज्य स्तरीय टीम पुनः कैमूर का दौरा करेगी। डॉ. रावत ने बताया कि आईएचआईपी पोर्टल, जो कि एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच है, फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत की जा रही गतिविधियों की रिपोर्टिंग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम के तहत, ब्लॉक स्तर या उससे ऊपर के स्तर पर डेटा को प्रतिदिन एलएफ-आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, आईएचआईपी पोर्टल पर समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है।

बेटे ने मां का मंगलसूत्र चुरा बेचा, पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बिक्रमगंज। रिश्तों की मयार्दा को कलंकित करने वाली एक चौंकाने वाली घटना बिक्रमगंज से सामने आई है,जहां एक बेटे ने अपनी ही मां के गले से मंगलसूत्र चुरा बाजार में महज पांच हजार रुपये में बेच दिया। घटना के बाद नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड-5 पटेल नगर निवासी हीरालाल पांडेय ने अपने पुत्र अमन कुमार पांडेय के विरुद्ध स्थानीय थाना में मामला दर्ज कराया है। शिकायत में उन्होंने बताया कि अमन ने घर में ही मां के गहनों पर हाथ साफ कर दिया और चुपचाप उसे बेच आया।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन को हिरासत में लिया । पूछताछ के दौरान उसने गुनाह कबूलते हुए बताया कि उसने मंगलसूत्र नगर परिषद क्षेत्र के ही वार्ड-13 गोसाई मोहल्ला निवासी स्वर्ण व्यवसायी विनोद कुमार वर्मा के पुत्र नंदन कुमार को बेचा है।

बिना किसी वैध पहचान के मंगलसूत्र खरीदने के मामले में पुलिस ने नंदन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही चोरी गया मंगलसूत्र भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। स्थानीय लोगों के बीच यह घटना सिर्फ एक चोरी नहीं, बल्कि एक मां के विश्वास, सम्मान और ममता की हत्या है। पांच हजार रुपये के लिए रिश्ते की नींव हिला देने वाली इस वारदात ने इलाके में गहरी सनसनी फैला दी है।

जर्जर हो गया है नया भोजपुर थाने का भवन, कभी भी हो सकता है जमींदोज

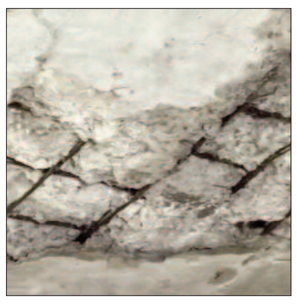

डुमरांव। लोगों की सुरक्षा व व्यवस्था संधारण की जिम्मेवारी संभालने वाली नया भोजपुर पुलिस खुद असुरक्षित है। यह असुरक्षा जर्जर भवन व थाना परिसर के भौगोलिक स्थिति को लेकर है। बता दें कि यह थाना ग्लेज्ड टाइल्स द्वारा दशकों पूर्व बनवाए गए भवन में संचालित हो रहा है, जिसका छत व दीवारे जर्जर हो चुकी है। छत का सेलिंग लंबे समय से टूटकर गिर रहा है, जिससे इसके कभी भी जमींदोज होने का खतरा बना हुआ है। वहीं, परिसर भी काफी पुराना है, जहां सांप व बिच्छू जैसे विषैले जीव-जंतुओं ने अपना घर बना लिया है। अक्सर थाना परिसर में विषैले सांप व बिच्छू नजर आ जाते है। बरसात शुरू होने के बाद विषैले जीव-जंतुओं के निकलने का सिलसिला तेज हो गया है, जिस कारण पुलिस कर्मियों में हमेशा भय बना रहता है। गुरुवार की सुबह भी इस थाना परिसर में एक काला बिच्छू निकला था। माना जाता है कि काला बिच्छू अपेक्षाकृत अधिक विषैला होता है तथा इसके डंक से जान तक जा सकती है। वहीं, हाल के दिनों में कई बार सांप व बिच्छू के दर्शन पुलिस कर्मियों को हो चुके है। बता दें कि इस थाना के लिए नए भवन की प्रकिया अभी लंबित है। भवन निर्माण विभाग से प्रस्ताव पास होने के बाद भी अबतक नए भवन के निर्माण की कोई सुगबुगाहट नहीं है। कुछ माह पहले एसपीटी मिट्टी जांच की प्रक्रिया भी पूर्ण हो गई है। मिट्टी जांच को हुए कई माह बीतने के बावजूद इस दिशा में कारवाई न होने से पुलिसकर्मियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बरसात के मौसम में जर्जर भवन के कारण उत्पन्न होने वाले खतरे से पुलिसकर्मियों में भय व्याप्त है। पिछले दिनों थाने का निरीक्षण करने पहुंचे एसपी शुभम आर्य ने बताया था कि संभवत: मार्च तक कार्य शुरू हो जाएगा, लेकिन अब जून भी बीतने को है, पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। बता दें कि नया भोजपुर थाने का भवन निर्माण जी$थ्री स्ट्रक्चर के आधार पर होना तय हुआ है। पहले चरण में एसपीटी यानि मिट्टी जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं। मिट्टी जांच के लिए सैंपल पटना लैब भेजा दिया गया हैं। दावा था कि जारी रिपोर्ट के आधार पर निर्माण योजना का डीपीआर तैयार होगा। डीपीआर तैयार होते ही निविदा का प्रकाशन कर निर्माण एजेंसी चुनकर कार्य को शुरू करा लिया जाएगा। हालांकि अबतक एजेंसी का चयन हुआ या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। बता दें कि भवन के अभाव में थाना का सिरिस्ता, थाना प्रभारी कक्ष और हाजत एक ही हॉल में है।

सदर अस्पताल में 30 जून तक 10 बेड का आईसीयू शुरू नहीं हुआ तो होगा आमरण अनशन: हरेकृष्णा

केटी न्यूज/बक्सर

फरवरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन के पहले आनन-फानन में सदर अस्पताल में 10 बेड वाले आईसीयू को चालू करने का फरामन सीएस ने सुनाया था, लेकिन यह फरमान सिर्फ कागजों पर लागू हुआ है। धरातल पर आज भी सदर अस्पताल में आईसीयू की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में गंभीर सड़क दुर्घटना या क्रिटिकल कंडीशन में मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। हायर सेंटर ले जाने के दौरान कई मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे जिले के डुमरांव अनुमंडल के नंदन गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हरेकृष्ण यादव ने इसे गंभीर मामला मानते हुए अब इसके खिलाफ संघर्ष का ऐलान किया है।

बुधवार को उन्होंने इस संबंध में बक्सर सीएस, स्वास्थ्य विभाग व बिहार सरकार के मुख्य सचिव को दे 30 जून तक सदर अस्पताल में 10 बेड वाला आईसीयू चालू करने की मांग की है तथा कहा है कि यदि 30 जून तक सदर अस्पताल में आईसीयू की सुविधा शुरू नहीं होती है तो वे एक जुलाई को डॉक्टर्स डे के दिन सीएस कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन पर बैठेंगे। उनके इस निर्णय के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सीएस से लेकर अन्य चिकित्सकों की मुकिश्लें बढ़ गई है।

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन के पूर्व सदर अस्पताल में आईसीयू तथा अल्ट्रासाउंड की शुरूआत कागजों में शुरू कर दिया गया था, लेकिन मुख्यमंत्री के जाते ही अल्ट्रासांउड कक्ष में ताला लटक गया था। जिसके खिलाफ हरेकृष्ण ने आवाज उठाया था। जिसके बाद सीएस ने आश्वासन दिया था कि अल्ट्रा साउंड शुरू करने की चिट्ठी भी जारी कर दी गई। इस कारण हरेकृष्ण ने अपने प्रस्तावित आंदोलन को वापस ले लिया था। लेकिन, अब एक बार फिर से वे आईसीयू के मुद्दे पर आंदोलन की चेतावनी दे स्वास्थ्य विभाग की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। केशव टाइम्स से बातचीत के दौरान हरेकृष्ण ने बताया कि सदर अस्पताल में आईसीयू की व्यवस्था नहीं होने से अक्सर क्रिटिकल कंडीशन के मरीजों की जान चली जा रही है।

भगवान भक्त के बस में होते हैं

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड अंतर्गत खरपुरा गांव में शिव मंदिर की स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय रुद्रा यज्ञ का आयोजन बुधवार से हि किया गया है। बुधवार को जलभरी कार्यक्रम संपन्न हुआ। उसके बाद कई अनुष्ठान कार्यक्रम जारी है। यज्ञ का समापन भव्य भंडारे के साथ 27 जून शुक्रवार को होगा। इसके तहत मंगलवार से किशोरी प्रज्ञा पांडे द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है।

कथा दो दिवसीय है। कथा के दौरान श्रोताओं के बीच उन्होंने कहा कि भगवान के चरणों की सेवा करना भगवान की वंदना करना और भगवान की भक्ति करना मनुष्य का परम कर्तव्य है। अथवा अपने आप को भगवान के चरणों में समर्पित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह जो 9 प्रकार की भक्ति है। जो कि अपने पूरे जीवन को प्रभु के चरणों में आत्मसमर्पण कर देना

चाहिए। जैसे कि प्रहलाद ने अपने आप को भगवान में समर्पित कर दिए थे। जिनका बालबांका तक नहीं हो पाया। उनका भगवान स्वयं रक्षा किये। उन्होंने कहा कि भगवान पर पूर्ण विश्वास एवं भरोसा रखना चाहिए। कोई भी कार्य करनी चाहिए तो उन्हीं के भरोसे पर। कहा भगवान भक्त के बस में होते हैं। सच्चे मन से उनके सेवा करने से हर तरह की बाधाएं खत्म हो जाती है। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में राम बिहारी पांडे, गुड्डु पांडे, कन्हैया जी, आदित्य, आशीष सहित ग्रामीणों का सहयोग बढ़ चढ़कर है। इस कार्यक्रम से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।

पटना को अत्याधुनिक औषधि नियंत्रण प्रयोगशाला मिली, प्रदेश में ही होगी दवाओं की जांच: स्वास्थ्य मंत्री

- 30 करोड़ की अत्याधुनिक ड्रग टेस्टिंग लैब का स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन
- फूड और ड्रग टेस्टिंग में भी आत्मनिर्भर हुआ बिहार जांच में आएगी तेजी
- बिहार को मिली अत्याधुनिक टेस्टिंग लैब की सौगात

केटी न्यूज/पटना

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पटना में आज पटना के अगमकुआं स्थित जीएनएम प्रशिक्षण संस्?थान, एनएमसीएम में 30 करोड़ रुपये की लागत से औषधि नियंत्रण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक सुविधा से लैस की गई है। इस प्रयोगशाला में अब राज्य में ही दवाओं और खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच की जा सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, इससे स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति आएगी।

अब दवाओं और खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल कोलकाता जैसे शहरों को भेजे जाते थे। मगर अब इस जांच के लिए बिहार को दूसरे राज?यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बताते चलें, भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट आने में पहले कई महीने लग जाते थे। मगर अब समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर पाना आसान होगा। इस नई प्रयोगशाला के शुरू होने से अब जांच न केवल तुरंत होंगी, बल्कि गलत व नकली दवाओं की पहचान कर उन्हें बाजार से हटाने में भी तेजी आएगी।

इस प्रयोगशाला में 28 आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जिनके जरिए दवाओं और खाद्य पदार्थों की सूक्ष्म स्तर पर जांच संभव हो सकेगी। यह सुविधा राज्य को स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगी और तकनीकी रूप से भी स्वास्थ्य विभाग को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाएगी।

अभिनव कला संगम के नेतृत्व में सैनिक सह रक्त वीर सम्मान समारोह का आयोजन

इस प्रकार के कार्यक्रम सराहनीय: एके सिन्हा

केटी न्यूज/सासाराम

देश के चर्चित साहित्यिक सांस्कृतिक व कला कि संस्था अभिनव कला संगम द्वारा गुरुवार को शहर के एक निजी होटल में सैनिक सम्मान सह रक्त वीर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या मे सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित थे।

सम्मान समारोह का उद्घाटन जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी एके सिन्हा, बार काउंसिल अध्यक्ष मनोज अज्ञानी, सर्जन डॉ विरेन्द्र कुमार, मॉडल स्कूल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, दन्त चिकित्सक नवीन नटराज, अकस अध्यक्ष कमलेश कुमार, संस्थापक रमेश चंद्र गुप्ता व आरपीएफ अधिकारी सरोज कुमार ने संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलित कर

किया। कार्यक्रम संचालक संस्थान निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा ने की। सम्मान समारोह के संबोधन में जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल एके सिन्हा ने कहा कि अभिनव कला संगम द्वारा इस प्रकार का अनुठा कार्यक्रम अति सराहनीय है। जहां एक ओर सीमा पर लड़ने वाले सेवा निवृत्त सैनिको व शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया जा रहा है, वहीं किसी कि जिंदगी बचाने के लिए रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सम्मानित करना समाज को एक बड़ा संदेश देता है। साथ ही ऐसे कार्यक्रमो मे सहभागी बनने वाले नारायण मेडिकल कॉलेज जमुहार व अन्य लोग प्रशंसा के पात्र हैं। अन्य अतिथियों ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को लोगों को ऐसे कार्यक्रमो से सीख लेनी चाहिए, साथ ही सरकार व शासन प्रशासन को भी अभिनव कला संगम का सहयोग करना चाहिए। जिन सैनिकों को सम्मानित किया गया उनमें दरिहट निवासी कारगिल युद्ध उपरांत शहिद लव कुमार सिंह की पत्नी पुष्पा देवी, सेवा निवृत्त सैनिक आर के सिंह, शैलेंद्र प्रसाद, आर एस सिंह, संतोष सिंह शंभू प्रसाद एसएन सिंह, बृज बिहारी तिवारी, राजबली यादव, लालदेव सिंह, समेत अन्य शामिल थे। पिछले दिनों रक्तदान करने वाले कुल 42 रक्तवीरों को भी अंग वस्त्रावा उपहार देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालो मे संस्था अध्यक्ष कमलेश कुमार, सचिव विनय मिश्रा, संरक्षक सिमल सिंह, भूपेन्द्र सिंह, डॉ. नवीन नटराज, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिंहा, संस्थापक रमेश चंद्र गुप्ता, रवि तिवारी, हेमंती देवी, उर्मिला देवी, रीता सिंह व अन्य मौजूद रहे।

महज तीन घंटे में प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी

आरा। वीर कुंवर सिंह सिंह विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग ने गुरुवार को ली गयी एमबीए और एमसीए प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट मात्र तीन घंटे में ही जारी कर दिया है। परीक्षा समाप्ति के बाद महज तीन घंटे में रिजल्ट जारी कर विवि ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है। बता दें कि एमबीए और एमसीए विभाग में नामांकन को ले दूसरी बार प्रवेश परीक्षा प्रवेश आयोजित की गयी थी। यह परीक्षा ओएमआर पर ली गयी थी। मेरिट लिस्ट अब जारी होगी।इसके बाद जो इंटरव्यू और मौखिकी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ अनवर इमाम ने बताया कि इन्टरव्यू और मौखिकी परीक्षा के आधार पर मेरिट तैयार की जायेगी। निर्धारित सीट पर मेरिट तैयार करने के बाद दस अभ्यर्थी प्रतीक्षा सूची में भी रखे जायेंगे। बताया कि मेरिट में आरक्षण रोस्टर का पालन किया जायेगा।

अब शिक्षक स्थानांतरण के बाद खुद स्वेच्छा से चुन सकेंगे स्कूल

मिलेगी राहत

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने राज्य के शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें स्वेच्छा से स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की है। शिक्षा विभाग की तरफ से जारी किए गये निर्देश के मुताबिक अब शिक्षक ई-शिक्षक कोष पोर्टल के माध्यम से स्वयं ही अपने स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है और लिखा है कि विभिन्न चरणों में शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है लेकिन 400 किलोमीटर की दूरी से 30 किलोमीटर की दूरी पर पदस्थापन होने

के बावजूद वे संतुष्ट नहीं हैं लिहाजा विभिन्न स्तर पर शिकायत दर्ज कराई जा रही है। जिस विद्यालय से शिक्षकों का स्थानांतरण हो गया है लेकिन वहां अबतक कोई टीचर पदस्थापित नहीं हो सका है, ऐसे में शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। ट्रांसफर की वजह से विद्यालयों में रिक्त हुए पदों को भरने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है इसलिए ये फैसला लिया गया है कि सभी स्तर के शिक्षकगण को अपना ट्रांसफर कर विद्यालय का चयन स्वयं करने का मौका दिया जाए। एक ही तरह के शिक्षक दो या दो से अधिक अधिकतम 10 शिक्षकों का अपना समूह बनाकर उन विद्यालयों में परस्पर स्थानान्तरण कर सकेंगे। सभी समूह के शिक्षक एक ही श्रेणी के होंगे और परस्पर पदस्थापन उनके वर्तमान में पदस्थापित विद्यालयों के बीच कर सकेंगे। शिक्षा विभाग के निर्देश के मुताबिक जो भी शिक्षक स्थानांतरण चाहते हैं, वे ई-शिक्षा कोष में लॉगिन कर और उनके जिले में ट्रांसफर के इच्छुक शिक्षकों की सूची देख सकेंगे। वे अपने विषय और कैटेगरी के स्थानांतरण के इच्छुक पूरे पंचायत, प्रखंड, अनुमंडल, जिला की सूची भी देख सकेंगे। इस प्रक्रिया में कोई शिक्षक दो या दो से अधिक अधीनस्थ 10 वैसे शिक्षकों तक का चयन कर सकते हैं, जो पारस्परिक स्थानांतरण के इच्छुक हैं। ओटीपी के माध्यम से संबंधित शिक्षकों का मोबाइल नंबर प्राप्त हो सकेगा, जिनसे संपर्क कर वे अपने इच्छित विद्यालय का चयन कर सकेंगे।स्थानांतरण का आवेदन ई-शिक्षा कोष के माध्यम से दिया जाएगा। ई-शिक्षा कोष में ओटीपी के माध्यम से सत्यापन होने के तीन दिन में स्थानांतरण का आदेश जारी हो जाएगा। स्थानांतरण आदेश निर्गत होने के सात दिनों के अंदर चयनित विद्यालय में योगदान करना अनिवार्य होगा। अगर पूरे समूह में एक भी शिक्षक योगदान देने से इनकार कर देते हैं तो सभी स्थानांतरित शिक्षकों का ट्रांसफर आदेश रद्द कर दिया जाएगा। फिलहाल इस नई व्यवस्था से न केवल शिक्षकों को सहूलियत मिलेगी बल्कि शिक्षा विभाग को भी स्कूलों में रिक्त पदों की चुनौती से निपटने में मदद मिलेगी।

बखरी के विधायक सूर्यकांत पासवान ने फेसबुक व ट्विटर समेत छह पर ठोका 20 करोड़ का जुर्माना

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय के बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान ने एक एडिटेड वीडियो वायरल होने के मामले में फेसबुक, ट्विटर और अन्य पर 20 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके नाम और छवि का उपयोग करके एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल किया गया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई और मानसिक, आर्थिक व शारीरिक क्षति हुई। बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान के वायरल

वीडियो मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। विधायक ने गौतम सिंह राठौड़, सन्नी कुमार सिंह, फेसबुक, ट्विटर, बिहार झारखंड न्यूज 18 समेत 6 लोगों पर 20 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा किया है। यह मामला बेगूसराय कोर्ट के सब जज प्रथम न्यायालय में दाखिल किया गया है। विधायक के अधिवक्ता प्रमोद कुमार ने बताया कि आंध्र प्रदेश का एक अश्लील वीडियो एडिट करके विधायक का बताया गया। उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। जिससे उनकी छवि धूमिल हुई। सभी 6 प्रतिवादियों पर बिना जांच पड़ताल के वीडियो प्रसारित करने का आरोप है इससे पहले भाकपा ने भी इस वायरल वीडियो को लेकर भाजपा कार्यकताओं पर विधायक की छवि धूमिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

चुनाव आयोग से जन सुराज को मिला स्कूल बैग चुनाव चिन्ह

बिहार से गरीबी, अशिक्षा को खत्म करने का रास्ता है स्कूल बैग : पीके

- बिहार बदलाव यात्रा के तहत प्रशांत किशोर लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में कर रहे हैं संवाद

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने भोजपुर के बड़हरा में पीएम मोदी, सीएम नीतीश और लालू पर जमकर हमला बोला। वही स्कूल बैग चुनाव चिन्ह देने पर चुनाव आयोग को धन्यवाद देते हुए कहा कि यही स्कूल बैग बिहार से गरीबी-अशिक्षा और बेरोजगारी खत्म करने का रास्ता है। प्रशांत किशोर ने लालू-नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार मजदूर राज्य बना, अब स्कूल बैग बदलाव का रास्ता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी वोट ले रहे हैं हम लोगों से और फैक्ट्री लगा रहे हैं गुजरात में, बिहार के बच्चे वहां

जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार बदलाव यात्रा के तहत लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में लोगों से संवाद कर रहे हैं और स्थानीय पत्रकारों से भी बात कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने भोजपुर के कोईलवर, बड़हरा और आरा प्रखंडों में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। उनकी पहली सभा कोईलवर के बिरमपुर गांव में, दूसरी बड़हरा के सरैया गांव में और तीसरी आरा के इजारी गांव में हुई थी। उन्होंने जनसभा को संबोधित करने से पहले बखोरापुर मंदिर में पूजा-अर्चना की। पटना से भोजपुर के रास्ते में प्रशांत किशोर का विभिन्न स्थानों पर नागरिक अभिनंदन किया गया।

इसी कड़ी में कायमनगर बाजार, बखोरापुर, नेखाम टोला, गुंडी बाजार, सरैया बाजार, सशिर्वा बाजार, बलुआ बाजार, सलेमपुर बाजार आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में पार्टी और उनके समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें फूल- माला से लाद दिया। प्रशांत किशोर के पीछे गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा था।अपने संबोधन में प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी बिहार की जनता से वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगा रहे हैं। पूरे देश का पैसा लेकर गुजरात के गांव-गांव में फैक्ट्री लगाई जा रही हैं और भोजपुर, आरा के बच्चे वहां जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं।

उन्होंने जनता से पूछा कि जब वोट आपका है तो फैक्ट्री कहां लगनी चाहिए। जनसभा के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने जन सुराज को "स्कूल बैग" चुनाव चिन्ह देने के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया और कहा कि बिहार से गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी को खत्म करने का एकमात्र रास्ता शिक्षा है। बिहार से अशिक्षा को खत्म करने का रास्ता स्कूल बैग है। पिछले 30-35 सालों से लालू-नीतीश के शासन ने बिहार को मजदूर राज्य बना दिया है।

शिक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत

वैशाली। वैशाली में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक शिक्षक की मौत हो गई। घटना नगर थाना क्षेत्र के गंडक पुल की है। मृतक शिक्षक की पहचान सोनपुर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर निवासी केशव बसंत के पुत्र पंकज कुमार गुप्ता (55) के रूप में की गयी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी सदर अस्पताल पहुंच गए। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि पंकज कुमार गुप्ता गंडक पुल रोड में घायल अवस्था में गिरे हुए थे। घायल अवस्था में रोड पर तड़पते देख आसपास के लोग जुट गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

रक्सौल में ट्रक से 319 किलोग्राम चरस जब्त 1.92 लाख नेपाली करेंसी भी हुआ बरामद

- जब्त चरस की कीमत एक करोड़ रुपए बताई जा रही
- ट्रक के साथ चालक को पकड़ने में मिली सफलता

केटी न्यूज/रक्सौल

नेपाल-भारत सीमा पर स्थित बिरगंज के एकीकृत जांच चौकी के पास से परसा जिला पुलिस ने 319 किलो चरस जब्त की है। पुलिस ने एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है और ड्रग्स से लदा ट्रक भी जब्त कर लिया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक गौतम मिश्रा ने बताया कि चरस को नेपाल के धाडिंग जिले से लोड किया

गया था। इसे बिरगंज के ड्राइपोर्ट के रास्ते भारत में तस्करी की योजना थी। इसी बीच गुप्त सूचना मिली कि ट्रक पर लदा हुआ ड्रग्स आ रहा है। इसे छुपाकर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिलते ही तत्काल जाल बिछाया गया। जैसे ही टीम संदिग्ध ट्रक आते हुए दिखाई दिया। उसे रोकने के लिए इशारा किया गया। वह आगे लेकर भागने की कोशिश करने लगा। ट्रक को चारों ओर से घेर लिया गया था। इसके बाद उसकी तलाशी ली जाने लगी। इस दौरान चालक दिग्भ्रमित करने का पूरा प्रयास किया। परंतु सफलता नहीं मिल पायी। ट्रक की तलाशी के दौरान नशील पदार्थ पकड़ा गया। गिरफ्तार चालक की पहचान मकवानपुर जिले के थाहा नगरपालिका निवासी बुद्धि बहादुर स्यांगतान के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान चालक के पास से 1 लाख 92 हजार नेपाली रुपए भी मिले हैं। पूछताछ में बुद्धि बहादुर ने चरस को भारत पहुंचाने की योजना में शामिल होना स्वीकार किया है। जब्त की गई चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। पुलिस ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। परसा पुलिस ने सीमाई क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है।

रोहतास से घूस लेते राजस्व कर्मी गिरफ्तार

सासाराम। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम ने राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम के अनुसार राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार को 18000 रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। आरोपी रोहतास जिला में दावथ प्रखंड में राजस्व कर्मचारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम के अनुसार परिवादी पिंटू कुमार जमीन के मोटेशन के लिए लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। पीड़ित ने इस बात की शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में दर्ज करायी कि आरोपी राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार के द्वारा जमीन मोटेशन करने के एवज में 18 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। ब्यूरो ने परिवादी की शिकायत का सत्यापन कराया। रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण सत्य पाया गया।

गया से पूर्वोत्तर भारत के साथ नेपाल, बांग्लादेश व भूटान भी जुड़ जाएगा

1339 करोड़ की लागत से गयाजी में बनेगा बिहार का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, मिलेगा रोजगार

केटी न्यूज/गया

राज्य के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र का विकास गया के पास डोभी प्रखंड (शेरघाटी अनुमंडल) में किया जा रहा है। इसके लिए इस इलाके में 1 हजार 670 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। अमृतसर-कोलकाता कॉरिडोर (एकेआईसी) प्रोजेक्ट के तहत गया में समेकित विनिर्माण कलस्टर (आईएमसी) का निर्माण कराया जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर कुछ दिन पहले मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के स्तर पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें यह निर्णय लिया गया कि इसका निर्माण पूरा करने के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में संबंधित कंपनी या एजेंसी का चयन करने के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। सभी मानकों पर खरा उतरने वाली

एजेंसी का चयन इस कार्य के लिए कर लिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर का यह प्रोजेक्ट 5 राज्यों से जुड़ा हुआ है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत ही आईएमसी गया का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें एग्रो एवं खाद्य प्रसंस्करण, रेडीमेड गार्मेंट और टेक्निकल इंडस्ट्री (ऑटो पार्ट्स, स्टील आधारित उत्पाद, एयरोस्पेश एवं डिफेंस, भवन सामाग्री, फर्नीचर एवं हैंडलूम और हैंडिक्रॉफ्ट) से जुड़े उद्योगों को यहां विकसित कराए जाने की योजना है।

16 हजार 524 करोड़ रुपये निवेश की संभावना : आईएमसी गया को राज्य के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 1 हजार 339 करोड़ रुपये है। इससे 1 लाख 9 हजार लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस प्रोजेक्ट के लिए 1670 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करने पर 462 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसके विकसित हो जाने के बाद यहां 16 हजार 524 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

स्टेट ऑफ आर्ट की तर्ज पर विकसित की योजना

औद्योगिक स्थान को स्टेट ऑफ आर्ट के तौर पर विकसित करने की योजना है। यहां औद्योगिक इकाईयों को प्लग एंड प्ले की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। इसके अलावा यहां सड़क, बिजली, पानी समेत अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने की योजना है। गया के डोभी प्रखंड के पास चिन्हित इस स्थान को एनएच-19 (जीटी रोड) से जोड़ने के लिए एक विशेष सड़क परियोजना को मंजूरी दी गई है। इससे सड़क स्वर्ण चतुर्भूज सड़क योजना से सीधे तौर पर जुड़ जाएगी। इस सड़क के निर्माण को लेकर 16 मई को हुई राज्य मंत्रिमंडल समूह की बैठक में 142 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी।अब तक यह हुआ इसमें गया यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

100 साल से जल रहे झरिया को बड़ी राहत, मोदी सरकार ने 5,940 करोड़ के मास्टर प्लान को मंजूरी

धनबाद, एजेंसी। एक सदी से अधिक समय से धनबाद के झरिया में लगी भूमिगत आग और लगातार हो रहे भू-धंसान से अब राहत मिलने वाली है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी है। सरकार भूमिगत आग से निपटने और इससे प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर 5,940 करोड़ रुपये खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) पर मुहर लगाई गई। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विणी वैष्णव ने कहा कि संशोधित मास्टर प्लान का पहला चरण तीन वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा। पहले चरण में पहले का काम जो बचा हुआ है, उसे पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण लंबा होगा और इसमें सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि भविष्य में कभी भूमिगत आग दोबारा नहीं भड़के। संशोधित झरिया मास्टर प्लान के तहत पुनर्वासित किए जा रहे परिवारों के लिए आजीविका सृजन पर अधिक जोर दिया गया है। पुनर्वासित परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। आय के अवसर सृजित किए जाएंगे। इसके अलावा कानूनी स्वामित्व धारक (एलटीएच) परिवारों तथा गैर-कानूनी स्वामित्व धारक (गैर-एलटीएच) परिवारों को एक लाख रुपए का आजीविका अनुदान तथा तीन लाख रुपये तक संस्थागत ऋण देने का भी प्रावधान है। झरिया वैकल्पिक आजीविका पुनर्वास कोष की स्थापना की जानी है। झरिया पुनर्वास के लिए पहली बार मास्टर प्लान को केंद्र सरकार ने अगस्त, 2009 में मंजूरी दी थी। इसकी कार्यान्वयन अवधि 10 वर्ष और कार्यान्वयन-पूर्व अवधि दो वर्ष रखी गई थी। इसपर 7,112.11 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च की योजना थी। पूर्व की पुनर्वास योजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वास में विफल साबित हुई और पिछली मास्टर प्लान योजना वर्ष 2021 अगस्त महीने में खत्म हो गई थी।

बाबूलाल मरांडी ने सुनाई आपातकाल की कहानी, कहा- संविधान को खत्म करने वाली थी कांग्रेस

गिरिडीह, एजेंसी। 25 जून 1975 को कांग्रेस ने आपातकाल लगाया था। इंदिरा गांधी की सरकार के द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष हो चुके हैं। इस मौके पर भाजपा द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। गिरिडीह के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सेमिनार आयोजित हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आपातकाल की कहानी बताई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बताया कि किस तरह अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा था, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला, जिसमें इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध ठहरा दिया गया। साथ ही जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देशभर में सरकार विरोधी आंदोलन भी तेज हो गया था। इन परिस्थितियों से बचने और सत्ता पर बने रहने के लिए इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल घोषित किया था। यह आपातकाल संविधान के अनुच्छेद-352 के अंतर्गत लगाया गया था। जिसमें उन्होंने आंतरिक अशांति का हवाला दिया था। यह आपातकाल 21 महीने मार्च 1977 तक चला। इस दौरान सरकार द्वारा मौलिक अधिकारों को समाप्त कर दिया था। हजारों राजनेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया था। प्रेस और मीडिया पर सेंसरशिप लागू कर दी गई। आम जनता की आवाज को दबा दिया गया और सरकार के विरोध को देशद्रोह कहा जाने लगा था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान के साथ खिलवाड़ किया, आज उनके नेता राहुल गांधी संविधान खतरे में हैं जैसी बात कहते हैं। जबकि सच्चाई है कि मोदी के शासनकाल में संविधान की रक्षा हुई है। कांग्रेस जब सत्ता में थी तो किसी भी राज्य की सरकार (जहां दूसरे दल की सत्ता थी) को बर्खास्त करने का काम करती रही। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में ऐसा नहीं हुआ। सेमिनार में बाबूलाल मरांडी ने आपातकाल के दौरान का एक वाक्या बताया। उन्होंने कहा चैती दुर्गा का मेला देखने हम सब लोग गए थे, 1976 का वर्ष था, हमलोग चाय पी रहे थे, तभी मेला में पति-पत्नी के बीच कुछ हुआ तो शोर मच गया।

कोडरमा में फ्रिज का कंप्रेशर फटा; लगी भीषण आग, लाखों का सामान जला

घर की दूसरी मंजिल में सोया था परिवार, धुएं की गंध से खुली नींद

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत अड्डी बांग्ला रोड के पास स्थित भदानी गली में गुरुवार अहले सुबह एक मकान में भीषण आग लग गई। यह आग मकान के निचले हिस्से में बने गोदाम में लगी थी, जिसमें रखे लाखों रुपए मूल्य के बिजली के तार, आइसक्रीम और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। समय पर दमकल के पहुंचने से आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

सुबह 6 बजे की घटना, धुएं के गंध से खुली नींद

घर के मालिक मुकेश गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वे अपने परिवार के साथ मकान के दूसरे मंजिल पर सोए हुए थे। सुबह करीब 6 बजे उन्हें जलने की तेज बू आई। जब वे कमरे से बाहर निकले तो देखा कि मकान के निचले हिस्से से धुआं तेजी से बाहर निकल रहा है। उन्होंने तत्काल अपने घर के अन्य सदस्यों को जगाया और सभी लोग भागकर नीचे आए। नीचे स्थित गोदाम में आइसक्रीम, बिजली के तार, रेफ्रिजरेटर और अन्य सामान रखा गया था। वहां से आग की लपटें उठ रही थीं। उन्होंने जैसे ही गोदाम का दरवाजा खोला, अंदर से आग की भीषण लपटें बाहर निकलने लगीं।

शोर मचाने पर जमा हुए आसपास के लोग

घटना की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने और परिवार के अन्य सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे आसपास के लोग जाग गए और बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी और खुद भी बाल्टी और पाइप से आग बुझाने की कोशिश में लग गए। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। आग इतनी भीषण थी कि यदि समय रहते उस पर काबू नहीं पाया जाता तो यह आसपास के घरों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ी जनहानि हो सकती थी।

नगर प्रशासक और प्रबंधक मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना मिलने पर झुमरीतिलैया नगर परिषद के प्रशासक अंकित गुप्ता, नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार और तिलैया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। वे हालात सामान्य होने तक वहीं मौजूद रहे और स्थिति की निगरानी करते रहे। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आग लगने की वजह गोदाम में रखे एक रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर का फटना हो सकता है। यह इलाका घनी आबादी वाला है, ऐसे में घटना ने स्थानीय लोगों को डरा दिया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, 25.20 लाख रुपए नगद बरामद

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध के मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना पर थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में टीम ने गायछान्द गांव में छापेमारी की। पुलिस ने प्रदीप कुमार मंडल (24) और रघुवीर कुमार मंडल (26) को गिरफ्तार किया। एसपी राजकुमार मेहता के अनुसार अपराधियों से 25.20 लाख रुपए नगद बरामद किए गए हैं।

इनके पास से 10 मोबाइल फोन, 20 सिम कार्ड, 5 एटीएम कार्ड, एक चेकबुक, एक लैपटॉप और एक चारपहिया वाहन भी मिला है। यह रकम अब तक की सबसे बड़ी रिकवरी है। साइबर अपराधी नहीं सुधरे तो उनका नाम अब गुंडा सूची में डाला जाएगा और साइबर अपराधियों की प्रोफाइल बनाई जाएगी।

प्रदीप साइबर अपराध के मामलों में पहले भी रह चुका है आरोपी

पुलिस के अनुसार, ये अपराधी केवाईसी अपडेट के बहाने लोगों को ठगते थे। वे लोगों के मोबाइल पर एपीके फाइल भेजकर उनकी बैंक से जुड़ी जानकारी हासिल कर लेते थे। प्रदीप कुमार मंडल पहले भी साइबर अपराध के मामलों में आरोपी रह चुका है। इन अपराधियों का कार्यक्षेत्र पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और ओडिशा था। मामले में जामताड़ा साइबर अपराध थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें।

पलामू में दिनदहाड़े घर में चोरी, 30 लाख नकद और 14 लाख के जेवरात ले गए चोर

पलामू, एजेंसी। पलामू में शहर थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी रोड स्थित त्रिपाठी कॉलोनी बारालोटा में एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। चोरों ने दिन में घर का ताला तोड़कर 30 लाख रुपए नकद और 14 लाख 18 हजार रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी गोविंद मेहता के बच्चे ने दी। गोविंद मेहता सुबह 8 बजे अपने बच्चे को स्कूल छोड़कर नवाजयपुर थाना क्षेत्र के दीपउवा अपने गांव पत्नी को लेकर गए थे। दोपहर करीब 2 बजे जब बच्चा स्कूल से लौटा, तो उसने देखा कि घर की ग्रिल का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो कमरों के ताले भी टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था।

बक्सों में रखे नकदी, जेवरात और जरूरी कागजात गायब थे : बच्चे ने तुरंत पिता को सूचित किया। मौके पर पहुंचे गोविंद मेहता ने पाया कि चोरों ने सभी कमरों के दरवाजे तोड़ दिए थे। बक्सों में रखे नकदी, जेवरात और जरूरी कागजात गायब थे। आसपास खोजबीन करने के बाद उन्होंने शाम को शहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

झारखंड में अगले 4 दिन होगी भारी बारिश, तूफानी हवाएं भी चलेंगी, आईएमडी का ऑरेंज अलर्ट

रांची, एजेंसी। राजधानी समेत झारखंड में 29 जून तक बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। जबकि गुरुवार (26 जून) को रांची समेत आठ जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान राज्य में कहीं तेज हवा के साथ वज्रपात होने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में गुरुवार को गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में कहीं-कहीं भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि रांची, लोहरदगा, खूंटी, सरायकेला खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम में बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।

राज्य में कई जगहों पर हुई बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान रामगढ़ में 75 मिमी बारिश हुई। वहीं, जामताड़ा में 71.2, रांची में 69.2, पूर्वी सिंहभूम में 61, पलामू में 58, सिमडेगा 51.2, सिमडेगा 46.0, हजारीबाग 40.1, खूंटी 40, धनबाद 32.6, पश्चिमी सिंहभूम 28.0 मिमी समेत राज्य के अधिकांश भागों में हल्की बारिश हुई।

रांची में अब तक 484 मिमी बारिश : राज्य में एक से 24 जून तक 268.7 मिमी बारिश हो चुकी है। जबकि, इस दौरान राज्य की औसत

बारिश 139.9 मिमी सामान्य वर्षापात से 92 फीसदी अधिक है। जबकि, रांची में इस साल 484.4 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य वर्षापात से 231 मिमी अधिक है।

18005701235 पर फोन कर बारिश में जलजमाव की करें शिकायत : रांची नगर निगम की स्वच्छता टीम ने बुधवार को सेवा सदन सड़क में जलजमाव वाले जगहों का निरीक्षण किया। सहायक प्रशासक की अगुवाई में टीम की ओर से इन जगहों पर विशेष सफ़ाई अभियान चलाया गया। जेसीबी की मदद से नालियों से गाद निकाला गया। इस दौरान नालियों पर ढके स्लैब को हटाकर उनकी सफाई की गई। इसके बाद दोबारा नालियों को स्लैब से ढंक दिया गया। निगम ने लोगों से अपील की है कि वे कूड़ा/प्लास्टिक/प्लास्टिक की बॉटल आदि नालियों में ना डालें। इसके अलावा यदि उनके क्षेत्र में किसी भी प्रकार की जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है तो वे निगम को दूरभाष- 1800 570 1235 पर इसकी सूचना दें। स्मार्ट रांची ऐप के जरिए इसकी शिकायत दर्ज कराएं। इस दौरान टीम ने वार्ड 44 स्थित गौरी शंकर नगर में टूटे हुए पुल का भी निरीक्षण किया।

खाड़ी में बन रहा नया सिस्टम : मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में बंगाल की खाड़ी के उत्तर पश्चिमी हिस्से और ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बना है। अगले 24 घंटे के दौरान यह एक निम्न दबाव क्षेत्र में परिवर्तित हो जाएगा। इससे झारखंड में 29 जून तक अच्छी बारिश होने की संभावना बन रही है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले 4 दिन तक राज्य में बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। जबकि कल गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम को बारिश का आरेंज अलर्ट तथा रांची, खूंटी, लोहरदगा आदि जिलों में कहीं कहीं भारी बारिश हो सकती है।

युवाओं ने दौड़ लगाकर नशे के खिलाफ फैलाई जागरुकता

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की ओर से 10 जून से 26 जून तक राज्यव्यापी विशेष नशा मुक्ति अभियान का आयोजित हुआ है। रांची में समारोह के दौरान राज्य के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अभियान के तहत झारखंड को नशा मुक्त बनाना और युवाओं को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना मुख्य उद्देश्य रहा।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशे के खिलाफ अभियान : गांव-गांव, मोहल्ला-मोहल्ला चला जागरूकता अभियानइस 17 दिवसीय विशेष अभियान के तहत झारखंड के सभी जिलों में व्यापक जन-जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों, प्रभात फेरियों, रैलियों, संगोष्ठियों और सामूहिक संवादों के माध्यम से लोगों को बताया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को किस तरह तोड़ देता है। स्कूल-कॉलेजों के छात्र, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों ने अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

युवाओं समेत खेल संगठनों ने भागीदारी निभाई : रांची जिला प्रशासन ने इस अभियान को विशेष प्राथमिकता दी है। निगम क्षेत्र से लेकर दूरस्थ गांवों तक अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नशे के खिलाफ जनजागरुकता फैलाई। खास बात यह रही कि युवाओं और खेल संगठनों की भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिली।

रांची में दौड़ का आयोजन

26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर रांची के मोरहाबादी क्षेत्र से जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचकर समाप्त हुई। दौड़ में युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। नशे के खिलाफ नारे लगाते हुए युवाओं ने पूरे शहर को जागरुकता का संदेश दिया।

नशा एक सामाजिक अभिशाप : खेल मंत्री सुदिव्य कुमार : मंत्री ने अपने संबोधन में कहा नशा एक सामाजिक अभिशाप है। युवा ही झारखंड की ताकत हैं। हमें उन्हें बचाना होगा। यह अभियान केवल शुरुआत है, इसे स्थायी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। इस अभियान ने झारखंड में एक नई चेतना का संचार किया है। अब जरूरत है कि इस चेतना को हर घर, हर मोहल्ले और हर युवा के मन तक पहुंचाया जाए। सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर अगर इस दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो वह दिन दूर नहीं जब झारखंड पूर्ण रूप से नशा मुक्त राज्य बन जाएगा।

नशा मुक्त झारखंड बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई

सामूहिक शपथ और समाज का समर्थन समापन समारोह में उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्त झारखंड बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस अभियान को समाज के हर वर्ग का समर्थन मिला। महिलाएं, बुजुर्ग, छात्र, सामाजिक संगठन और धार्मिक संस्थाएं भी इससे जुड़ीं और लोगों को जागरूक करने में मददगार बनी।

नशा पीड़ितों के लिए पुनर्वास और काउंसलिंग सेंटर की स्थापना : आगे भी जारी रहेगा अभियान झारखंड सरकार ने इस अभियान के जरिए यह स्पष्ट कर दिया है कि नशा मुक्ति को लेकर वह गंभीर है और आने वाले दिनों में राज्य के प्रत्येक जिले में नशा पीड़ितों के लिए पुनर्वास और काउंसलिंग सेंटर की स्थापना पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा स्कूल और कॉलेज स्तर पर नशा मुक्ति क्लब भी गठित किए जाएंगे, जो छात्रों को जागरूकता से जोड़ेंगे।

मंत्री, सचिव और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी समापन कार्यक्रम में पर्यटन, कला एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, गृह सचिव वंदना दादेल, रांची उपायुक्त, खेल विभाग से जुड़े अधिकारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। दौड़ में अव्वल रहे युवाओं को मंच से सम्मानित भी किया गया।

हरमू से जज कॉलोनी और अरगोड़ा से चापू टोली तक बनेगा फ्लाईओवर

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद सरकार एक्टिव हो गई है। रांची की यातायात को सुगम बनाने एवं सौंदर्यीकरण को लेकर कई नए निर्माण होने जा रहे हैं। सरकार अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ तक एवं हरमू से जज कॉलोनी तक वन वे फोर लेन फ्लाईओवर बनाएगी। इसके अलावा करमटोली से साइंस सिटी तक भी फ्लाईओवर बनाया जाएगा।

इसको लेकर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने बुधवार को प्रस्ताव बनाने का निर्देश अफसरों को दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर परामर्शी एंजेसियों और पथ निर्माण विभाग के फील्ड सर्वे डिवीजन एडवांस प्लानिंग सीडीओ द्वारा योजनाओं का खाका तैयार कर लिया है। इन योजनाओं के प्रारूप का प्रस्तुतीकरण प्रधान सचिव कुमार के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पथ निर्माण विभाग के एफएसडी के अधीक्षण अभियंता विजय रंजन कुमार, कार्यपालक अभियंता मनोज चौधरी एवं आकाश कुमार

बादल तथा डिजाइन कंसल्टेंट के निदेशक सुधीर कुमार ने प्रस्तुतिकरण दिया।

करमटोली से भी बनेगा फ्लाईओवर : करमटोली चौक से मोरहाबादी साइंस सिटी तक 2.2 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बनेगा। इसकी चौड़ाई ऊपर 10 मीटर एवं नीचे सड़क की भी चौड़ाई 10 मीटर होगी। साइंस सिटी के आगे रिंग रोड तक फोर लेन सड़क बनाई जाएगी। इसकी लंबाई 5 किलोमीटर से अधिक होगी।

अरगोड़ा से चापू टोली तक 1.75 किमी. लंबा होगा फ्लाईओवर : यातायात को सुगम बनाने के लिए अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ होते हुए चापू टोली तक लगभग 1.75 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। फ्लाईओवर की चौड़ाई जहां 10 मीटर होगी, वहीं पहले से रही सड़क जो फ्लाईओवर के नीचे रहेगी, उसको भी 7 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इससे इस मार्ग पर दोहरी सुविधा मिल जाएगी। सड़क के दोनों तरफ ड्रेन, यूटिलिटी डक्ट रहेगा। नीचे की सड़क का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

इस तरह होगा निर्माण... : हिनू से नदी के किनारे मेकॉन के रोज गार्डेन होते हुए जगन्नाथपुर तक बनेगा फ्लाईओवर

मिलेगी ये नई सौगात... करमटोली से साइंस सिटी तक फ्लाईओवर, साइंस सिटी से रिंग रोड तक फोर लेन

हरमू फ्लाई ओवर निर्माण की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नया संशोधित डिजाइन फाइनल कर लिया गया है। जल्द इसकी निविदा निकाली जाएगी। इसका निर्देश विभागीय सचिव ने दिया।

इसकी लंबाई लगभग 3 किलोमीटर होगी। यह फ्लाईओवर एक साइड से कार्तिक उरांव चौक से शुरू होगा, जो विशाल मेगा मार्ट तक जाएगा। सहजानंद चौक से रातू रोड जाने वाले इस फ्लाईओवर से विशाल मेगा मार्ट से उतर कर नीचे की सड़क से जाएंगे। लेकिन एलपीएन शाहदेव चौक से कार्तिक उरांव चौक तक वन वे सीधा फ्लाईओवर आएगा। इसके नीचे वाले मार्ग पर बिजली, टेलीफोन के तार एवं केबल सभी अंडरग्राउंड रहेंगे। दोनों ओर फ्लाईओवर की चौड़ाई 8.5 मीटर होगी।

हिनू ढलान के पास होटल एमरॉल्ड के पास गोलंबर बनेगा। वहां से दाहिनी ओर मेकन रोज गार्डेन, डीपीएस के पीछे जगन्नाथपुर मंदिर तक फ्लाईओवर बनेगा। रेलवे लाइन पर आरओबी भी बनेगा। योजना की लंबाई 8 किमी. होगी।

स्वर्णरेखा नदी के दोनों किनारों पर वन-वे फ्लाईओवर तैयार होगा : रिवर फ्रंट साइड डेवलपमेंट के तहत हरमू और स्वर्णरेखा नदी का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाना है। दोनों ही नदियां पूरी तरह से खुली रहेंगी। नदी के किनारे के जमीन का उपयोग किया जाएगा। नदी के दोनों किनारों पर आकर्षक पेड़-पौधों के अलावा लाइटें लगाई जाएंगी।

हिनू ढलान के पास होटल एमराल्ड पर गोलंबर तैयार किए जाने का प्रस्ताव है। उसी गोलंबर से दाहिनी ओर मेकन रोड गार्डन, दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) के पीछे जगन्नाथपुर मंदिर तक दोनों ओर फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसके लिए पेट्रोल पंप के पास रेलवे लाइन पर आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) भी तैयार कराया जाएगा। फिर यह फ्लाईओवर नयासराय जाने वाले रास्ते को जोड़ेगा, जो रिंग रोड तक जाता है। इस योजना की लंबाई लगभीर आठ किलोमीटर होगी।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति। - स्वामी ज्ञानानंद

कागजों में घटी गरीबी, बढ़ा रोजगार?

सरकार की रिपोर्टें कहती हैं, देश में गरीबी घटी है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं। यदि यह सच है, तो यह परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में क्यों नहीं दिख रहा है। आंकड़ों की चमकदार प्रस्तुति के बावजूद देश की युवा आबादी बेरोजगारी की मार झेल रही है। रोजगार के मोर्चे पर वास्तविक सुधार तब नजर आएगा जब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार द्वारा नीति बनाई जाएगी। भारत की कुल खपत का 95 प्रतिशत हिस्सा लघु एवं मध्यम उद्योगों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से पूरा होता था। इसके बावजूद इन क्षेत्रों को वह प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार सृजन के लिए लघु एवं मध्यम उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग जो जरूरी था वह नहीं मिला। इन क्षेत्रों में यदि उत्पादन होता तो रोजगार भी यहीं से आता। यही गरीबी उन्मूलन रोजगार और आर्थिक विकास की असली कुंजी बन सकता था। कागजों पर गरीबी घटाना आसान है। आंकड़ों के जरिए मन माफिक तरीके से रिकॉर्ड तैयार कर लिया जाता है। इस रिकॉर्ड के आधार पर दावा भी कर दिया जाता है, लेकिन यह वास्तविक हकीकत से दूर होता है। असली जरूरत तो गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई को जमीनी सच्चाई की हकीकत में बदलना है। यह काम कागजों से नहीं होगा। वास्तविक हकीकत के लिए सिर्फ सेवा क्षेत्र या डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। भारत को उत्पादन प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर लौटना होगा। पिछले एक दशक में चीन के उत्पाद भारत में आकर बिक रहे हैं। भारत के लघु और मध्यम उद्योग खत्म होते चले जा रहे हैं। भारत एक ट्रेडिंग का हब बन गया है। बाहर से सामान आता है और यहां बिकता है। ग्रामीण एवं छोटे नगरों में छोटे कारखाने, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग और नवाचार आधारित उत्पादक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी हैं। इसी हड्डी को पिछले 1 साल में कमजोर किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों को छोटे-छोटे रोजगार को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार यदि नियम एवं कानून बनाती हैं तो उससे बेरोजगारी और महंगाई से निजात मिलेगी। लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। 2014 में जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई है उसके बाद सभी क्षेत्रों में 100 फीसदी विदेशी निवेश को अनुमति दे दी गई है। उसके बाद भारत में लघु एवं मध्यम दर्जे के उद्योग बुरी तरह से चरमरा गए हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जो नियम और कानून तैयार किए हैं उसके कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लाखों रोजगार के अवसर हर साल बंद होते जा रहे हैं। अब तो मिठाई की दुकान में भी डिब्बा बंद सामग्री मिलती है। यह सामग्री या तो मशीनों से तैयार होती है या विदेश से आती है। स्थानीय उत्पाद पूरी तरह से खत्म हो गया है। छोटे-छोटे उद्योग धंधे पूरी तरह से खत्म हो गए हैं, जिसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार पिछले एक दशक से यह कहती आ रही है कि हमने रोजगार के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध कराया है, जिससे रोजगार बढा है। बैंकों से जिन्होंने कर्ज लिया वह कर्ज की किस्त भी नहीं अदा कर पाए। बैंक ने उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया है। बैंक अब सख्ती से पैसे वसूल कर रहे हैं। वास्तविकता यही है जिसे सरकार देखकर भी अनदेखा कर रही है। आज भारत के पास युवा जनसंख्या है। डिजिटल कौशल और घरेलू मांग भी है। यदि इन तीनों को लघु उद्योगों और निर्माण क्षेत्र से स्थानीय आधार पर जोड़ा जाएगा तो इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि गरीबी भी सही मायने में तेजी के साथ घटेगी। सरकार की नीतियां तब ही सफल मानी जाएंगी, जब नीतियों के लाभ आम जन जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग दोनों हों। तभी देश का तेजी के साथ विकास होता है। हर हाथ को काम मिलता है। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है। वर्तमान स्थिति में सरकार को वास्तविक स्थितियों के साथ नीतियां बनानी होंगी। सरकार अपनी लोकप्रियता को देखते हुए सच से मुंह छुपाती है। आंकड़ों के जरिए अपने चेहरे को चमकाने का प्रयास करती है। लेकिन यह प्रयास ज्यादा समय तक नहीं चलता है। वर्तमान में अमीरों के पास धन बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। गरीब और गरीब होता चला जा रहा है। आम जनता के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। आम जनता के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ।
बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं।

आपातकाल के दौरान नसबंदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

-संजय गोस्वामी

जून 1975 में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय (अब प्रयागराज) ने राजनीतिज्ञ राज नारायण द्वारा दायर चुनावी धोखाधड़ी के मामले में गांधी के खिलाफ फैसला सुनाया, जिन्हें गांधी ने 1971 के आम चुनाव में हराया था। अदालत ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में उनकी चुनावी जीत को रद्द कर दिया और आदेश दिया कि वे छह साल तक राजनीति से दूर रहें। गांधी ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन उन्हें अनुकूल जवाब नहीं मिलाः उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन उनके संसदीय विशेषाधिकार रद्द कर दिए गए और उन्हें वोट देने से रोक दिया गया। जैसे-जैसे उनके इस्तीफे की मांग बढ़ती गई, राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने गांधी की सलाह पर काम करते हुए 25 जून, 1975 को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इस अवधि के दौरान, दिल्ली में बिजली काट दी गई, जहां अधिकांश मीडिया आउटलेट स्थित थे। कोई भी समाचार पत्र नहीं छप सका और भारतीयों को अगली सुबह ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से आपातकाल की खबर मिली। यह महीनों तक सख्त प्रेस सेंसरशिप की शुरूआत थी, जिसका मुख्य लक्ष्य गांधी द्वारा आपातकालीन शक्तियों के दावे, उनकी नीतियों और उनके बेटे संजय गांधी की कार्रवाइयों की आलोचना थी - जो कथित तौर पर जबरन नसबंदी जैसे कुछ सबसे बुरे दुर्व्यवहारों के लिए जिम्मेदार थे। सेंसरशिप आपातकाल के सांस्कृतिक चित्रण और उस अवधि के दौरान ली गई तस्वीरों के प्रकाशन तक फैली हुई थी।
निवारक निरोध कानूनों का इस्तेमाल इंदिरा गांधी के विरोधियों को जेल में डालने के लिए किया गया था, जिनमें देसाई, नारायण, फर्नांडीस और नारायण शामिल थे। कैद किए गए अन्य नेताओं में चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी (जो बाद में प्रधानमंत्री बने), लाल कृष्ण आडवाणी और मुलायम सिंह यादव शामिल थे। विपक्ष के हिरासत में होने के साथ, सरकार ने विधायी शक्तियों का विस्तार करने और न्यायपालिका के अधिकार को प्रतिबंधित करने के लिए संविधान में संशोधन किया। इन संशोधनों के परिणामस्वरूप, आपातकाल की न्यायिक समीक्षा समाप्त हो गई और प्रधानमंत्री के चुनाव को अब अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। गांधी ने कई अलोकप्रिय नीतियों को भी लागू किया, जैसे कि सामूहिक नसबंदी - जिनमें से कुछ जबरन की गई थीं - जनसंख्या नियंत्रण के साधन के रूप में गरीब पुरुषों को लक्षित करना (यह पहल उनके बेटे संजय गांधी द्वारा की गई थी)। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा ट्रेड यूनियनों और मजदूरों के अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण दमन किया गया, साथ ही दिल्ली में इमारतों को ध्वस्त किया गया जिससे हजारों निवासियों को विस्थापित होना पड़ा। पुलिस ने दो अलग-अलग मौकों पर नागरिक भीड़ पर भी गोलीबारी कीः अप्रैल 1976 में दिल्ली के तुर्कमान गेट पर बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान, और अक्टूबर 1976 में उत्तर प्रदेश के मुजफ़्फ़रनगर में नसबंदी विरोधी प्रदर्शन के दौरान। आपातकाल के लगभग 50 साल पूरे हो चुके हैं, जिसमें देश आजादी के बाद अपने ही तानाशाही शासन से पीड़ित था। उस समय मेरी उम्र लगभग 5 साल थी। लोगों में काफी गुस्सा था। कभी गोली से मारे गए किसी व्यक्ति के परिवार की चीखें सुनाई देतीं, तो कभी किसी घायल व्यक्ति के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें सुनाई देतीं। इसके मुख्य किरदार स्वर्गीय संजय गांधी थे, जो एक तानाशाह थे। उस समय लोग पटना के गोलघर से स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के धरना प्रदर्शनों को देखते थे क्योंकि अगर कोई उनके खिलाफ आवाज उठाता था, तो वह लोकनायक जयप्रकाश थे। हर दिन छात्र आंदोलन करते थे। कुछ को गोली मार दी जाती और कुछ खून से लथपथ हो जाते। मैं समझ नहीं पाया कि यह क्या था। बाद में मुझे पता चला कि हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। उन्हें धांधली और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के लिए सत्ता छोड़ने को कहा गया था। उस समय लोग कहते थे कि देखो हाईकोर्ट का जज कितना ताकतवर है और बाद में उनके सत्ता में बने रहने का विरोध हुआ। बदले में आपातकाल लगा दिया गया। उस समय मेरे पूज्य दादा स्वर्गीय कैलाश नारायण गोस्वामी मुझे पटना के गोलघर पर चढ़ने के लिए ले गए और वहां से बड़ी संख्या में लोग स्वर्गीय लोकनायक जयप्रकाश के साथ दूर से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें जबरन जेलों में डाल दिया। मैं रेडियो पर कुछ सुनता था लेकिन जब मैंने दीवारों पर लिखा पाया कि नसबंदी के तीन एजेंट इंदिरा, संजय बंशी लाल, मुझे उस समय यह भी नहीं पता था कि नसबंदी क्या होती है और मैंने अपने परिवार में सबके सामने पूछा कि नसबंदी क्यों की जाती है रात को शहर में कुछ लोगों के रोने की आवाज सुनी। पता चला कि बिना टिकट यात्रा करने के कारण उनके बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नसबंदी तो हो गई थी लेकिन मुझे नहीं पता था कि इससे क्या होगा। मुझे लगा कि उसके अंग खराब हो जाएंगे और पेशाब में कुछ दिक्कत होगी। बाद में किसी ने कहा कि अब उसके बच्चे नहीं होंगे। तब मैं समझ नहीं पाया और मैंने 5 साल की उम्र में विनाश का दर्दनाक मंजर सुना। बाद में कुछ ऐसा हुआ कि मैं भी समझ नहीं पाया नसबंदी से क्या होगा। सुनते हैं भगवान राम स्वयं संत के वेश में अत्याचारों का बदला लेने आए हैं क्योंकि लोगों ने बताया कि जिस संत की नसबंदी की गई थी और ऑपरेशन के लिए जिसके शरीर के बाल छीले गए थे, वह यह कहकर गायब हो गए कि संजय तुम यह सब क्रूरता कर रहे हो, तुम्हारी मृत्यु निकट है और मेरे यह सभी बाल रामायण में चले गए ताकि लोगों को पता चले कि भगवान राम भारत के दिल में बसते हैं और जब दादाजी ने रामायण खोली तो उन्हें उसमें बाल दिखाई दिए और मैंने भी लगभग सभी के घर में रामायण के अंदर छोटे-छोटे बाल देखे जो पन्नों के अंदर थे, बाद में वे गायब हो गए और जब आपातकाल खत्म हुआ तो उनकी खुद मृत्यु हो गई। जब संजय गांधी पटना के मंगल तालाब में भाषण देने आए तो मैंने कहा संजय गांधी बदमाश है।

दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कार की रेपुटेशन हाई हुई

लेखक-एडवोकेट किशन

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार यदि कोई है तो वहहै,नोबेल पुरस्कार जो भिन्न-भिन्न 6क्षेत्रों भौगोलिक, रसायन विज्ञान,चिकित्सा साहित्य शांति व अर्थशास्त्र में प्रतिवर्ष दिया जाता है। 2025 के लिए नॉमिनेशन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 थी,अब पुरस्कारों की घोषणा 10 अक्टूबर 2025 को होगी। परंतु पिछले कुछ दिनों से अब नोबेल पुरस्कार 2026 की चर्चा प्रिंट इलेक्ट्रानिक सोशल मीडिया पर जोरो से चल रही है, विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार की, वो भी इसलिए की दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पुरस्कार पाने का जुनून है, हालांकि अपने पिछले टर्म में राष्ट्रपति के दौरान वे नहीं पा सके थे, परंतु अब 2026 का पुरस्कार पाने की चाहत उनके बयानों एक्सः एक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट हो रही है,जिसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रहीहै,जबकि 2026 का ऑफीशियली रजिस्ट्रेशन सितंबर 2025 से शुरू होगा।आज इसकी चर्चा इसलिए भी जोर पकड़ रही है कि, इसके लिए ट्रंप का ऑफीशियली रूप सेनॉमिनेशन पाक द्वारा कर भी दिया गया है जो एक प्रक्रिया के तहत होता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र का मानना है कि, पाक के सेनापति द्वारा ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की मौखिक सिफारिश की फिर उन्हें ट्रंप द्वारा ऑफीशियली रूप से लंच पर आमंत्रित दिया गया,फिर पाक द्वारा ऑफीशियली नॉमिनेशन की घोषणा की गई, जबकि मेरा मानना हैकि अंदरूनी कहानी ईरान-इजरायल युद्ध की भयंकर बढ़ती सिचुएशन से उत्पन्न क्राइसिस से निपटने के लिए रणनीतिके तहत पाक हवाई पट्टीयों का उपयोग करेगा, पाक अमेरिका के बीच यह स्थितियां हो रही है,हालांकि पाक सेनापति व ट्रंप की लंच मुलाकात की एक भी फोटो वीडियो प्रेस में साझा नहीं किया गया है,यह मेरा अनुमान है। तो दूसरी ओर ट्रंप खुले रूप से अपने बयान हुआ एक केंद्र पर कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाक कांगो-रवांडा इसराइल -हमास रूस यूक्रेनमें से दो के युद्ध रोके हैं, बाकी की कोशिश चल रही है। हालांकि 2 दिन पूर्व भारतीय पीएम ने ट्रंप से सीधे 35 मिनट की बातचीत में कहा कि भारत पाक युद्ध विराम का समझौता आपसी द्वपक्षी बातचीत के जरिए हुआथा परंतु ट्रंप इसको शांति पुरस्कार का आधार मानते है,परंतु उन्होंने कहा मुझे मालूम है, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, हालांकि इन पुरस्कारों की पूरी प्रक्रिया की चर्चा हम नीचे पर में करेंगे।
चूँकि वैश्विक स्तरपर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, विभिन्न चरणों में भारी मानदंडों से होना इसकी खूबसूरती है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जुनून, प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कारों की रेपुटेशन हाई हुई। साथियों बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नोबेल शांति पुरस्कार को पाने के जुनून की करें तो,आज कल अमेरिका के राष्ट्रपति नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर चर्चा में आ गए।बता दें कि कुछ दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप पाक के आर्मी चीफ से मिले।अब पाक द्वारा नोबल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप को नॉमिनेट किया जाना पाक की चालाकी बताई जा रही है, क्योंकि ट्रंप चाहते हैं कि यह पुरस्कार किसी भी तरह उन्हें मिले। वहीं चचाओं के बीच ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में कांगो और रवांडा शांति समझौते पर दस्तख्त करेंगे। इसके पहले मैंने भारत पाकिस्तान सहित कई युद्ध रुकवाए, लेकिन मुझे कोई इस नेक काम करके लिए नोबल प्राइज नहीं देगा। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लंबी पोस्ट में छह बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का उल्लेख किया। पाक ने अमेरिका के राष्ट्रपति को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस कदम ने न केवल भू-राजनीतिक विशेषज्ञों को चौंका दिया है, बल्कि खुद पाक के लोग और नेता भी इससे हैरान हैं। कई पाकी सामाजिक कार्यकताओं और लेखकों ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रंप ने गाजा में हो रहे नरसंहार और ईरान पर इस्राइल के हमले का समर्थन किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले की आलोचना हो रही है।पाक ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इसलिए नामित किया है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर भारत और पाक के बीच तनाव के दौरान निर्णायक कूटनीतिक दखल दिया। हालांकि,भारत पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुका है कि ऑपरेशन सिंदूर के समय जो संघर्षविराम हुआ, वह दोनों देशों के बीच सीधे संवाद से हुआ था- न कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से।दरअसल, भारत ने जब पाक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था. तब दोनों देशोंके बीच 4 दिनतक तनाव रहा,वार-पलटवार का सिलसिला जारी रहा,इसी के बाद पाक ने भारत से इस ऑपरेशन को रोकने का आग्रह किया,हालांकि, ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच उन्होंने सीजफायर कराया,पाक ने ट्रंप के इसी हस्तक्षेप का एहसान चुकाने के लिए अब ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर दिया है। साथियों बात अगर हम नोबेल शांति पुरस्कार को जानने व इसकी प्रक्रिया को समझने की करेंतो, इस पुरस्कार को हासिल करने की प्रक्रिया कितनी लंबी है, यह जान लेना जरूरी है कि यह पुरस्कार आखिर है क्या,किसको दिया जाता हैजब हम नोबेल पुरस्कार की बात कर रहे हैं तो यह जान लेना जरूरी है कि नोबेल शांति पुरस्कार की शुरूआत अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से हुई थी,यह अवॉर्ड केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी या मेडिसिन, शांति और साहित्य,पहली बार यह पुरस्कार साल 1901 में दिया गया था,शांति के कैटेगरी में यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रों के बीच भाईचारा बढ़ाने, हथियारों की संख्या को कम करने और शांति सम्मेलन आयोजित करने में खास योगदान दिया,कौन-कौन कर सकता है नॉमिशननॉर्वेजियन नोबेल समिति नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं को चुनती है,इसके लिए कोई भी व्यक्ति, संगठन या आंदोलन को नॉमिनेट किया जासकता है। लेकिन यहां शर्त है उन लोगों की जो नॉमिनेट कर सकते हैं, हर कोई नोबेल पुरस्कार के लिए किसी के नाम को नॉमिनेट नहीं कर सकता है, इसके लिए एक सीमित लोगों की लिस्ट वो ही नामों की सिफारिश कर सकते हैं,जहां अब हम जान चुके हैं कि नोबेल शांति पुरस्कार क्या होता है,वहीं, अब यह जानना जरूरी है कि कौन-कौन नॉमिशन कर सकता है।

गिरीश पाण्डेय की गवाही ने कैसे बदली भारतीय राजनीति की दिशा

-डॉ. एचए खान

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून 1975 की तारीख को एक काले अध्याय के रूप में देखा जाता है। यह वही दिन है जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था। इसी काल में भारतीय राजनीति की दिशा बदलने वाली एक ऐतिहासिक घटनाक्रम की नींव भी रखी गई। दरअसल एक अदालती फैसले ने यह काम किया और इसके पीछे थी गिरीश नारायण पाण्डेय जैसे एक सामान्य लेकिन साहसी व्यक्ति की गवाही। यहां बताते चलें कि एक सामान्य दिखने वाले लेकिन साहसीक व्यक्तित्व के धनी गिरीश पाण्डेय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एक प्रतिबद्ध कार्यकर्ता थे। उनका नाम राष्ट्रीय स्तर पर तब चर्चा में आया जबकि उन्होंने सन 1971 के रायबरेली लोकसभा चुनाव में हुई कथित गड़बड़ियों के खिलाफ अदालत में अपनी गवाही दी। यह चुनाव इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण के तौर पर लड़ा गया था। चुनाव में इंदिरा गांधी की जीत को उनके प्रतिद्वंद्वी समाजवादी नेता राजनारायण ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। अदालत में मुकदमे की सुनवाई के दौरान गिरीश पाण्डेय ने एक अहम गवाही दी, जो फैसले में निर्णायक साबित हुई। उन्होंने गवाही देते हुए अदालत को बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकारी मशीनरी और संसाधनों का दुरुपयोग किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें गवाही न देने के लिए प्रलोभन और धमकियां भी दीं, लेकिन उन्होंने उनके आगे झुकने से इनकार कर दिया और न्याय के पक्ष में खड़े रहे। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को चुनाव में भ्रष्ट आचरण का दोषी ठहराते हुए उनका निर्वाचन अवैध घोषित कर दिया। अदालत का यह फैसला न सिर्फ इंदिरा गांधी की संसद सदस्यता छीनने वाला था, बल्कि उसने उनकी प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की वैधता पर भी सवाल खड़े कर दिए थे। फैसले के महज 13 दिन बाद ही 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी, प्रेस पर सेंसरशिप और नागरिक अधिकारों पर अंकुश के साथ एक भयावह दौर शुरू हो गया। आपातकाल में ही गिरीश पाण्डेय, जिन्होंने लोकतंत्र की आवाज बुलंद की थी, उन्हें भी जेल भेज दिया गया। आपातकाल की समाप्ति के बाद जब लोकतंत्र की बहाली हुई तो गिरीश पाण्डेय भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो समाजसेवा में लग गए। आप भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी माने जाते थे। पार्टी के प्रति समर्पण और समाजसेवा को देखते हुए 1991 में भाजपा ने उन्हें रायबरेली विधानसभा सीट से टिकट दिया और वे विधायक भी चुने गए। यही नहीं कल्याण सिंह सरकार में उन्हें विधि एवं न्याय मंत्री नियुक्त किया गया था। यह अलग बात है कि इस सरकार का कार्यकाल राम मंदिर आंदोलन के चलते अल्पकालिक साबित हुआ। इस प्रकार गिरीश पाण्डेय का जीवन इस बात का प्रतीक है कि एक साधारण नागरिक की ईमानदारी और उसका साहस किस प्रकार लोकतंत्र की रक्षा करते हुए देश की राजनीति की दिशा भी बदल सकता है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है और आपकी वाणी में विशेष मिठास रहेगी जिससे संबंधों में सौहार्द बढ़ेगा।

वृषभ आज दिन अत्यधिक व्यस्तताओं से भरा रहेगा। भागदौड़ के कारण थकान हो सकती है।

मिथुन आज दिन वित्तीय दृष्टि से थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं।

कर्क भाग्य के साथ के कारण आप जिस भी कार्य में हाथ डालेंगे उसमें सफलता के संकेत मिलेंगे।

सिंह मानसिक रूप से थोड़ी अशांति, चिड़चिड़ापन और उदासी महसूस हो सकती है।

कन्या आज आत्मविश्वास से कार्यों को पूरा करेंगे। कार्यों में भी साहसपूर्वक निर्णय लेंगे।

तुला आपके अधिकारों और संपत्ति में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक आज मन थोड़ा अशांत और अस्थिर रह सकता है, जिससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है।

धनु यदि आप किसी परीक्षा या साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के संकेत हैं।

मकर दिन की शुरुआत अच्छे समाचारों से हो सकती है। किसी बहुमूल्य वस्तु या प्रॉपर्टी की प्राप्ति संभव है।

कुंभ आज दिन सुख से भरा होगा। दिन विवेक और विश्लेषणात्मक सोच में बीतेगा।

मीन आज करियर में लाभ के योग बने हैं। पारिवारिक मामलों में राहत दिलाने वाली है।

विशेष

ट्रंप दुनिया के सबसे बड़े झूठे बड़बोले

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय सारी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्हें सबसे बड़ा बड़बोला और सबसे बड़ा झूठा माना जा रहा है। पहले उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ट्रेड को लेकर युद्ध रुकवा दिया था। इसी तरह उन्होंने इजराइल और ईरान के बीच में युद्ध रुकवाने की घोषणा की। इसराइल और ईरान ने उनकी बात नहीं मानी एक दूसरे के ऊपर हमले जारी रहे। बार-बार वह सीज फायर की घोषणा अपनी तरफ से कर अपने आप को शांति दूत बनना चाहते हैं। उसके बाद जब पुष्टि नहीं होती है, तब वह स्वयं मजाक बन जाते हैं। पिछले 4 महीने में वह क्या बोलते हैं, और कब बदल जाते हैं। इसको लेकर उन्हें

जिंदगी और मौत भगवान के हाथ में 34 करोड़ देवी देवताओं का सहारा

केंद्र सरकार से एयर इंडिया खरीद कर रतन टाटा ने भारत के विमान सेक्टर को एक नई ऊंचाई देने की कोशिश की थी। रतन टाटा की मृत्यु हो जाने के बाद पहली बार एयर इंडिया इतने खराब दौर से गुजर रही है। बार-बार उड़ानों को कैंसिल करना पड़ रहा है। तकनीकी गड़बड़ियां आ रही हैं। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद भारत के पूरे विमानन सेक्टर के जो हालात बने हुए हैं। ऐसे हालात इसके पहले कभी भी नहीं थे। भारत के विमानन सेक्टर की सारी दुनिया में बदनामी हो रही है। अब तो लोग भारत के विमान में बैठने से डरने लगे हैं। सरकार की जो जांच एजेंसी ओर नियामक हैं। उनमें काम करने वाले आदमी नहीं है।

कार्टून कोना

आपातकाल की 50वीं बरसी

आज का इतिहास

1519 चार्ल्स प्रथम रोम के शासक बने. 1838 ब्रिटेन की रानी विक्टोरिया की वेस्ट मिनिस्टर एबे में ताजपोशी हुई. 1902 अमेरिका ने पनामा नहर बनाने का ठेका फ्रांस की एक कंपनी से हासिल कर लिया. 1932 थाईलैंड में नया संविधान लागू. 1943 अमेरिकी विमानों ने जर्मन अधिकृत एथेन्स पर हमला किया. 1964 तीन मूर्ति हाऊस नेहरू स्मारक संग्रहालय बना. 1967 भारत में निर्मित पहला यात्री विमान एवरों 748 इंडियन एयरलाइंस को सौंपा गया. 1989 चीन में लोकतंत्र आंदोलन में शामिल अनेक लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया. 1993 अमेरिका ने इराकी खुफिया विभाग के कार्यालय पर टोम हाक क्रूज प्रक्षेपास्त्र दागे. 1995 प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा टिहरी परियोजना की समीक्षा हेतु दिये आश्वासन के बाद पर्यावरणविद् सुंदरलालबहुगुणा ने अनशन तोड़ा.

दैनिक पंचांग

27 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.44 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.12 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.38 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.45 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.18 बजे से
		मेष	00.49 बजे से
		वृष	02.29 बजे से
		मिथुन	04.27 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 11.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 07.22 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 21.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.20 बजे तदनन्तर तैतिल 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872388
जूलियन दिन 2460853.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 01
विशेष जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए, राधा रानी ने दिया था श्राप

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा बेहद उत्साह के साथ निकाली जाती है। इस यात्रा को गुंडिचा यात्रा और रथ महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में लोग जप-कीर्तन कर गुंडीचा नगर तक जाते हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा जी विराजमान हैं। हर वर्ष भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। यह यात्रा में देश-विदेश में अधिक प्रसिद्ध है। इसमें अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए। आइए जानते हैं इसके पीछे की वजह के बारे में।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्री राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने का विचार किया। जब वह मंदिर में प्रवेश कर रही थीं, तो उनको पुजारी ने रोक दिया। इसके बाद पुजारी से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आप श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और विवाहिता भी नहीं हैं। इस वजह से भगवान श्री कृष्ण की पत्नियों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली, तो आपको भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं है। इस वजह से राधा रानी पुजारी की इस बात से नाराज हो गईं। इसके बाद राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर को श्राप दिया कि यदि जीवन में कोई अविवाहित जोड़ा एक साथ मंदिर में प्रवेश करेगा, तो उसे कभी भी प्रेमी या प्रेमिका का प्यार नहीं मिलेगा।

यात्रा में होते हैं 3 रथ

यात्रा के लिए 3 रथ बनाए जाते हैं। इन रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अलग-अलग रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के घर जाते हैं। वहां कुछ दिन विश्राम करने के बाद वापस आते हैं। ऐसा बताया जाता है कि इन रथों को नेम के पेड़ की लकड़ियों की सहायता से बनाया जाता है। सबसे खास बात यह है कि इन रथ को बनाने के लिए किसी भी धातु और कील का प्रयोग नहीं किया जाता है।

मिलते हैं ये लाभ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का रथ को खींचने से साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। रथ यात्रा में शामिल होने से इंसान को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

27 जून से शुरू हो रही है जगन्नाथ यात्रा, यात्रा की परंपरा और रथों का वैभव

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। यह यात्रा ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ निकाली जाती है। यह मंदिर चार पवित्र धामों में से एक है। यह यात्रा कुल 10 दिनों कि होती है और इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ इस यात्रा का समापन होता है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। जगन्नाथ मंदिर पर श्रीहरि विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी पूजा होती है।

उड़ीसा के पुरी में होने वाला जगन्नाथ रथ यात्रा देश के साथ-साथ पूरी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। जहां पर दुनियाभर के लोग उस अद्भुत नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं। बता दें हर साल अषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ-साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को भी विराजमान किया जाता है। बता दें कि इस साल जगन्नाथ रथयात्रा 26 जून से आरंभ हो रही है, जो 5 जुलाई को समाप्त होगी। आपको बता दें कि हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ रथ यात्रा का आरंभ होता है। इसके साथ ही आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ होता है।

कब है जगन्नाथ यात्रा

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 27 जून को सुबह 11 बजकर 19 मिनट पर होगा. जगन्नाथ रथ यात्रा का समापन 5 जुलाई 2025 को होगा, जो कि 9 दिनों तक चलेगी.

अलग-अलग रथ में सवार होते हैं श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा जी

बता दें कि भव्य जगन्नाथ रथयात्रा में 3 रथ निकाले जाते हैं, जो श्री कृष्ण, बलराम और उनकी बहन सुभद्रा का होता है। हर एक रथ अपने आप पर खास होता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ

पहला रथ जगन्नाथ जी का होता है, जिसे नंदीघोष कहा जाता है। इसके साथ ही इसमें लहरा रही ध्वजा को त्रैलोक्य मोहिनी कहा जाता है। इसके साथ ही इस रथ में कुल 16 पहिए होते हैं। इस रथ में पीला रंग का इस्तेमाल किया जाता है।

भगवान बलराम विराजेंगे दूसरे रथ पर

भगवान बलराम के रथ को तालध्वज कहा जाता है। इसके साथ ही रथ में लगे ध्वज को उनानी कहा जाता है। इस रथ में कुल 14 पहिए होते हैं। इसके साथ ही इस रथ को जिस रस्सी से खींचते हैं उसे वासुकी कहा जाता है।

मां सुभद्रा का तीसरा रथ

भगवान जगन्नाथ की छोटी बहन सुभद्रा का भी रथ निकाला जाता है। इस रथ को पद्म ध्वज कहा जाता है। इस रथ में कुल 12 पहिए होते हैं। इस रथ लाल रंग के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही खींचने वाली रस्सी को स्वर्णाचूड़ा कहा जाता है।

धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:,
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे। माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं। माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे। एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे। फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे। भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की? प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

ईरान-इजरायल युद्धविराम से मार्केट में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में रौनक रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में लगभग 1 प्रतिशतकी बढ़त देखी गई। ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम होने से दुनिया भर के बाजारों में सकारात्मक माहौल बना। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 700.40 अंक या 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,755.51 और निफ्टी 200.40 अंक या 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,244.75 पर बंद हुआ। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बाजार में अभी तेजी बनी रहेगी। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा, फार्मा और सर्विसेज इंडेक्स हरे निशान में थे। निफ्टी के प्राइवेट बैंक और पीएसई इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए।

किनमें तेजी, किनमें गिरावट- सेंसेक्स पैक में टाइटन, एमएंडएम, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, टीसीएस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, इटरनल, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक और अडानी पोर्ट्स गेनर्स थे। बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

दूसरे बाजारों का कैसा रहा हाल- एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहे, जबकि जापान का निक्की 225 में मामूली गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

छुट्टियों में लोगों ने जमकर किया क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल, खर्च में 15 प्रतिशतकी भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड मार्केट जो थोड़ा सुस्त था, उसे छुट्टियों की वजह से थोड़ी जान मिली है। मई महीने में कार्ड से होने वाला खर्च 1.9 लाख करोड़ रुपये तक है पहुंच गया। यह पिछले महीने के मुकाबले 3 प्रतिशतऔर पिछले साल से करीब 15 प्रतिशतअधिक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डेटा के मुताबिक, यह ग्रोथ मई 2024 में दर्ज की गई 17 प्रतिशतकी साल-दर-साल ग्रोथ के बाद आई है। श्वज्ञ के मुताबिक, मई में 7 लाख

60 हजार से ज्यादा नए कार्ड जारी हुए। यह पिछले चार महीनों में सबसे ज्यादा हैं हैं। हालांकि, जितने नए कार्ड इस बार जोड़े गए, वो पिछले साल इसी दौरान जारी हुए कार्ड्स के लगभग बराबर थे। मई में क्रेडिट कार्ड से हुए लेनदेन की संख्या (कितनी बार कार्ड इस्तेमाल हुआ) की संख्या महीने दर महीने 4 प्रतिशतऔर साल-दर-साल करीब 30 प्रतिशतबढ़ी। कुल जितने क्रेडिट कार्ड अभी सर्कुलेशन में हैं, उनकी संख्या 11 करोड़ से अधिक हो गई है। ऋद्धु के डेटा के मुताबिक, यह मई 2025 में पिछले साल के मुकाबले 8 प्रतिशतकी बढ़ोतरी दिखाता है।

रूस से भारत की प्राइवेट कंपनियां खरीद रहीं सबसे ज्यादा तेल

सरकारी कंपनियों का नाम-ओ-निशान तक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत इस साल रूस से समुद्री रास्ते से आने वाले कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। रूस के सबसे खास तेल ग्रेड का 80 प्रतिशतहिस्सा भारत ने खरीदा है। भारत की दो प्राइवेट रिफाइनरी कंपनियां ये तेल खरीद रही हैं। ये कंपनियां सस्ते दामों पर मिल रहे इस तेल का फायदा उठा रही हैं। इस कच्चे तेल को खरीदने में सरकारी कंपनियों को नाम-ओ-निशान तक नहीं है।

केप्लर नाम की एक डेटा कंपनी के अनुसार, भारत ने इस साल 24 जून तक 23.1 करोड़ बैरल यूरल्स तेल खरीदा है। यूरल्स एक तरह का कच्चा तेल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड ने मिलकर रूस से आने वाले इस तेल का 45 प्रतिशतहिस्सा खरीदा है।

भारत बना सबसे बड़ी खरीदार- भारत यूरल्स तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। साल 2024 में भारत ने इस तेल का 74 प्रतिशतहिस्सा खरीदा था। इससे पता चलता है कि भारत रूस से मिलने वाली ऊर्जा पर कितना निर्भर है। साथ ही, यह भी पता चलता है कि भारत रूस के लिए कितना महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से रूस को बहुत पैसा मिलता है।

प्राइवेट कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी-पिछले कुछ सालों में भारत की प्राइवेट रिफाइनरी कंपनियों ने यूरल्स तेल की खरीदारी बढ़ा दी है। साल 2025 में तो उन्होंने बहुत ज्यादा तेल खरीदा है। रिलायंस कंपनी ने इस साल 7.7 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। अब रिलायंस दुनिया में यूरल्स तेल की सबसे बड़ी खरीदार बन गई है।

रिलायंस ने रूस के साथ की डील- रिलायंस ने रूस के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के अनुसार रिलायंस रूस से हर दिन 5 लाख बैरल तक तेल खरीदेगी। यह

सरकारी कंपनियों की कितनी हिस्सेदारी

भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां (जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) ने रूस के साथ कोई समझौता नहीं किया है। इन कंपनियों को तेल खरीदने के लिए कुछ खास तरह की करेंसी का इस्तेमाल करना होता है, जिससे उन्हें तेल खरीदने में दिक्कत होती है। रिलायंस और नायरा के रूस से तेल खरीदने की वजह से यूरल्स तेल की सप्लाई कम हो गई है।

5 दिन से बुलेट ट्रेन की स्पीड से दौड़ रहा यह रेलवे स्टॉक

535 करोड़ का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग के शेयर 5 दिन से बुलेट ट्रेन बने हुए हैं। इसकी कीमत आज भी शुरुआती कारोबार में 6 प्रतिशत उछल गई। यह लगातार पांचवें दिन कंपनी के शेयर में उछाल देखने को मिला। इसकी मुख्य वजह कैमरून की कंपनी कैमाल्को एस.ए. से मिला 535 करोड़ रुपये का ऑर्डर है। सुबह 9:22 बजे तक, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर टेक्समैको रेल का शेयर 184.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले भाव से 11.20 रुपये यानी 6.46 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

ऑर्डर की खास जानकारी- यह ऑर्डर दो हिस्सों में बंटा है। पहला 560 ओपन टॉप वैगन बनाने और सप्लाई करने का ठेका, जिसकी कुल कीमत 282 करोड़ रुपये (3.27 करोड़ डॉलर) है। इस काम को 24 महीने के भीतर पूरा करना होगा। दूसरा 20 साल की लंबी अवधि के मेंटेनेंस का कांट्रैक्ट, जिसका मूल्य 253 करोड़ रुपये (2.94 करोड़ डॉलर) है। इस ऑर्डर के साथ ही अगले 5 साल में 1,040 अतिरिक्त वैगन सप्लाई करने और उनके रखरखाव का विकल्प भी शामिल है।

हाल में मिले अन्य ऑर्डर्स- टेक्समैको को पिछले कुछ दिनों में दो और बड़े ऑर्डर मिले हैं। 10 जून को मुंबई रेलवे विकास निगम ने केंद्रीय रेलवे की तीसरी और चौथी लाइन के लिए ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर व अन्य कामों का 44.04 करोड़ रुपये का ठेका दिया। 3 जून को ही पश्चिमी रेलवे के लिए ऐसे ही कामों का 122.31 करोड़ रुपये का ठेका मिला, जिसे 30 महीने में पूरा करना है।

शेयर की मौजूदा स्थिति- इस समय कंपनी का शेयर अपने 52-हफ्ते के उच्चस्तर (296.60 रुपये) से 37.74 प्रतिशत नीचे चल रहा है, जबकि इसके 52-हफ्ते के निचले स्तर (115.10 रुपये) से 60.43 प्रतिशत ऊपर है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण 7,376.16 करोड़ रुपये है।

नोएडा में मिलेंगी छप्परफाड़ नौकरियां

केंद्र सरकार के इस फैसले से छोटी कंपनियों को होगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लिया। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में 417 करोड़ रुपये का एक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनेगा। इसका मकसद लोकल इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि इस क्लस्टर से लगभग 2,500 करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है। सरकार का दावा है कि इस प्रोजेक्ट से वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर बनेगा और 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, इस प्रोजेक्ट से वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा और 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने यह

भी कहा कि सरकार देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर ध्यान दे रही है। यह प्रोजेक्ट उसी दिशा में एक कदम है। यह क्लस्टर कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने में मदद करेगा। इनमें कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स (टीवी, फ्रिज आदि), ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स (गाड़ियों और उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स), मेडिकल डिवाइस, कंप्यूटर हार्डवेयर और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट (मोबाइल, टावर आदि) शामिल हैं।

86,000 नौकरियां

यह क्लस्टर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इससे देश में नई टेक्नोलॉजी आएगी और लोगों को रोजगार मिलेगा। यह सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। ईएमसी के तहत लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। ईएमसी ने 520 कंपनियों को आकर्षित किया है, जिससे 86,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा हुई हैं। यह आंकड़ा सरकार की तरफ से जारी किया गया है।

राजस्थान में पावर सप्लाई के लिए एक्मे सीकर सोल ने की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्मे सोलर होल्डिंग्स की यूनिट एक्मे सीकर सोलर ने राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना से बिजली की आपूर्ति के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि यह समझौता एक्मे सीकर द्वारा 23 जून को अपनी 300 मेगावाट क्षमता चालू करने के बाद हुआ है। कंपनी के शेयर आज बुधवार को 247.85 रुपये पर बंद हुए। कारोबार के दौरान इसमें मामूली तेजी देखी गई थी। बता दें कि इस डील के बाद कल गुरुवार को यह शेयर फोकस में रह सकते हैं।

क्या है डिटेल

बयान के अनुसार, एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी एक्मे सीकर सोलर प्राइवेट लिमिटेड ने राजस्थान में 300 मेगावाट क्षमता के लिए 3.05 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की निश्चित दर पर भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के साथ 25 वर्ष का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। समझौते के अनुसार, कंपनी को 30 जून, 2025 तक या उससे पहले बिजली की आपूर्ति करनी होगी।

बीएसई ने नियमों का किया उल्लंघन, सेबी ने लगाया 25 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई पर बड़ी कार्रवाई की है। बाजार नियामक ने बीएसई पर नियम उल्लंघन को लेकर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि बीएसई हितधारकों को कॉरपोरेट खुलासे तक समान पहुंच प्रदान करने में विफल रहा और कारोबार के दौरान लगातार संशोधन करने वाले ब्रोकरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। सेबी ने फरवरी, 2021 और सितंबर, 2022 के बीच किए गए निरीक्षण के बाद यह आदेश पारित किया।

सेबी ने क्या निष्कर्ष निकाला

इसके बाद सेबी ने निष्कर्ष निकाला कि बीएसई प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) एसईसीसी (स्टॉक एक्सचेंज और क्लियरिंग कॉरपोरेशन) विनियम, 2018 के विनियमन 39 (3) का अनुपालन करने में विफल रहा, जो शेयर बाजार को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करने का आदेश देता है। इसने यह भी पाया कि बीएसई ने वास्तव में सरल सिंडिकेशन (आरएसएस) फीड स्थापित नहीं किया।

क्या कहा गया है सेबी के आदेश में- सेबी ने 45 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि बीएसई की प्रणाली ढांचे ने इसके भुगतान करने वाले ग्राहकों और आंतरिक सूचीबद्धता अनुपालन निगरानी (एलसीएम) टीम को कॉरपोरेट घोषणाओं तक वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक होने से पहले पहुंच प्रदान की, जिससे मानदंडों का उल्लंघन हुआ। नियामक ने यह भी देखा कि डेटा प्रसार प्रक्रिया में सभी हितधारकों के लिए एक साथ और समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की कमी थी।

24 घंटे में 48 हजार करोड़ रुपये की कमाई!

एलीट क्लब की दहलीज पर पहुंचे जेन्सेन हुआंग, कंपनी ने बनाया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। एनवीडिया कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ जेन्सेन हुआंग पर पैसों की बारिश हो गई है। इन्होंने मात्र 24 घंटे में 5.54 अरब डॉलर (करीब 48 हजार करोड़ रुपये) की कमाई कर ली है। इस कमाई के साथ ही यह अमीरों के खास एलीट क्लब में शामिल होने की दहलीज पर पहुंच गए हैं। जेन्सेन की नेटवर्थ में तेजी का कारण कंपनी के शेयरों में आई तेजी रही। बुधवार को एनवीडिया के शेयर आसमान छू गए थे। इससे कंपनी ने भी नया रेकॉर्ड बना दिया।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक 24 घंटे में 5.54 अरब

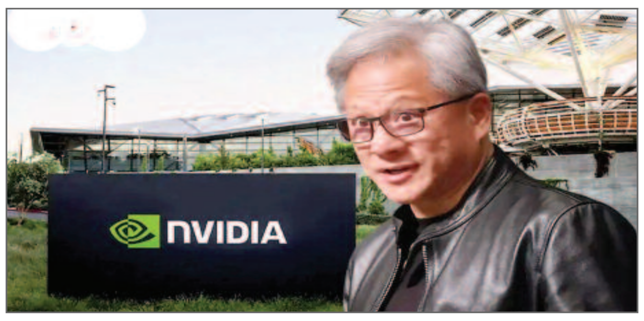

डॉलर की कमाई के साथ जेन्सेन की कुल संपत्ति 135 अरब डॉलर हो गई है। इतनी संपत्ति के साथ यह दुनिया अमीरों की लिस्ट में 11वें स्थान पर आ गए हैं। अमीरों के एलीट क्लब यानी टॉप 10 में शामिल होने से वह मात्र एक कदम की दूरी पर हैं। 10वें नंबर पर सर्गी ब्रिन हैं। उनकी नेटवर्थ 146 अरब डॉलर है।

नई ऊंचाई पर पहुंचे शेयर- एनवीडिया के शेयर में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। इसने जनवरी के पिछले रेकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बुधवार को कारोबार की शुरुआत में एनवीडिया का शेयर 2.6 प्रतिशतसे ज्यादा बढ़ गया। इसने जनवरी में बनाए गए पिछले रेकॉर्ड 149.43 डॉलर को भी पार कर लिया। यह 149.28 डॉलर पर खुला और 154.31 डॉलर के नए स्तर पर बंद हुआ। इसमें 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई।

कंपनी ने बनाया नया रेकॉर्ड- शेयरों में तेजी से एनवीडिया ने भी रेकॉर्ड बना दिया। एनवीडिया अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

क्यों आई तेजी

एनवीडिया के शेयर में जो तेजी आई उसका एक बड़ा कारण माइक्रोन की तिमाही कमाई की रिपोर्ट है। माइक्रोन हाई-बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स बनाती है। ये चिप्स एनवीडिया के एआई एक्सीलरेटर में इस्तेमाल होती हैं। अगर माइक्रोन के नतीजे अच्छे आते हैं तो ये एआई हार्डवेयर की मांग के लिए हरी झंडी होगी। इससे एनवीडिया सहित पूरे एआई सप्लाई चेन में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद है।

पापड़ बेचने का पुश्तैनी कारोबार संभाला और 100 करोड़ की हो गई कंपनी, रोज 10000 पैकेट बनाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। पापड़ बेलना थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन आप इसके पीछे पड़ जाइए तो संभव है कि आप भी बीकानेर के जय अग्रवाल बन सकते हैं। जी हां, जय अग्रवाल ने कॉलेज की पढ़ाई पूरी होते ही पापड़-बड़ी बनाने के पुश्तैनी काम में हाथ बंटाने लगे। आज उनका पापड़ देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बिकता है। उनकी कंपनी का इस समय 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का वैल्यूएशन हो गया है। सक्सेस स्टोरी की आज की श्रृंखला में हम पापड़मल जी बीकानेरी पापड़ के फाउंडर की कहानी बताते हैं।

कैसे हुई शुरुआत- बीकानेर के जय अग्रवाल के पिता दाऊ लाल अग्रवाल ने सन 1962 में घर से ही पापड़-नमकीन का कारोबार शुरू किया था। बाद में काम आगे बढ़ा तो स्थानीय बाजार में ही विशाल

पापड़-नमकीन भंडार के नाम से दुकान खोल ली। वह अपनी गति से चल रही थी। जय अग्रवाल जब बड़े हो रहे थे तो वह घर के काम में रुचि लेते थे। 12वीं करने के बाद वह इसमें ही छोटा-मोटा काम करने लगे। वह बी.कॉम की पढ़ाई बीकानेर से ही कर रहे थे, इसलिए इस काम को सीखने के लिए पर्याप्त वक्त निकल जाता था। पढ़ाई पूरी करने के बाद बाद वह पुश्तैनी कारोबार से जुड़ कर पूरी लगन से काम सीखने लगे।

पापड़ की बिक्री दूसरे राज्यों में भी- पहले वह अपनी दुकान के लिए ही पापड़-बड़ियां और नमकीन बनाते थे। जब जय अग्रवाल इस धंधे में आए तो फिर उन्होंने बीकानेर के अलावा राजस्थान के अन्य हिस्सों में इसकी सप्लाई शुरू की। इसके अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली आदि जगहों में भी अपना माल भेजने लगे। इससे उनका कारोबार तो बढ़ा ही आमदनी भी बढ़ी।

स्टेट ऑफ दि आर्ट प्लांट लगा- जब काम बढ़ने लगा तो उन्होंने गृह उद्योग से निकल कर लघु उद्योग के रूप में अपना काम आगे बढ़ाना शुरू किया।

6000 करोड़ का फंड जुटा रहा यूनियन बैंक, बाजार में तेजी के बीच शेयर बेचते दिखे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बड़े फंड जुटाने की तैयारी कर ली है। बैंक ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने इक्विटी और डेट के जरिए 6000 करोड़ तक की पूंजी जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय 25 जून, 2025 को आयोजित बोर्ड की बैठक में लिया गया।

क्या है बैंक का प्लान- स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र का यह बैंक एक या अधिक किस्तों में इक्विटी पूंजी के माध्यम से 3000 करोड़ तक जुटाएगा। प्रस्तावित तरीकों में आगे सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ), राइट्स इश्यू, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी), तरजीही आवंटन या इनका संयोजन शामिल है। इक्विटी के अलावा, बैंक को ऋण साधनों के माध्यम से 3,000 करोड़ तक जुटाने की भी मंजूरी मिली है। इसमें बेसल-अनुपालन वाले अतिरिक्त टियर 1 बॉन्ड के माध्यम से 2000 करोड़ और टियर 2 बॉन्ड के माध्यम से 1,000 करोड़ शामिल हैं। बैंक ने कहा कि ऋण साधन विदेशी मुद्रा में भी जारी किए जा सकते हैं।

बिकवाली मोड में शेयर- सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को इस सरकारी बैंक के शेयर 1.7 प्रतिशतकी गिरावट के साथ बंद हुए। यह गिरावट ऐसे समय में आई जब शेयर बाजार में तेजी का माहौल था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

पंत ने टेस्ट करियर की बेस्ट रैंक हासिल की

दुबई, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हेडिंग्ले टेस्ट में खेली गई शतकीय पारियों के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने इंग्लैंड के लिए पहले टेस्ट की दोनों इनिंग में शतक लगाया था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से आज जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार पंत जहां 800 रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए है जिससे उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। पंत 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भले ही 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन पंत अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में कामयाब रहे। उन्होंने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पंत का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 रहा। इसके अलावा आईसीसी ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने भी शतकीय पारी के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया। डकेट पांच पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। इसके आलवा शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जबकि जो रूट 889 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर, हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है, केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे पायदान पर है।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

बर्मिंघम टेस्ट से पहले हर्षित टीम से बाहर

लीड्स, एजेंसी। तेज गेंदबाज हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर अब भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि राणा को भारतीय टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह लीड्स से ही भारत लौटेंगे। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम पहुंच चुकी है। हर्षित राणा को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट से ठीक पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह लीड्स टेस्ट की अंतिम 11 में जगह नहीं बना सके थे। इंग्लैंड ने यह टेस्ट आखिरी दिन 371 रन के लक्ष्य पीछा कर पांच विकेट से जीता था। मिली जानकारी के मुताबिक, भारतीय टीम के एक तेज गेंदबाज को परेशानी थी। ऐसे में प्रबंधन ऐसे तेज गेंदबाज को बैकअप के रूप में रखना चाहता था, जो बाउंसर का सही इस्तेमाल करता हो। राणा सही विकल्प थे और इसी वजह से उन्हें टीम से जोड़ा गया था। लेकिन, अब सब कुछ ठीक है। इसलिए राणा को अब रिलीज कर दिया गया है। हर्षित राणा ने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था। वह दो टेस्ट खेले थे, जिसमें चार विकेट उनके नाम हैं। पर्थ में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3-48 रहा था। इंग्लैंड में, राणा को कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए पहला मैच खेलने का मौका मिला। इस मैच में भी उनका प्रदर्शन साधारण रहा था। उन्होंने 99 रन देकर एक विकेट लिए थे।साधारण प्रदर्शन के बावजूद इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए हर्षित राणा को टीम में जगह देने की आलोचना भी हुई थी। क्रिकेट विशेषज्ञ अंशुल कंबोज को बेहतर विकल्प मान रहे थे, जो गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी भी करते हैं और भारत ए की तरफ से उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा था।

चेस

कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 19 साल के गुकेश के बाद अब 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला है। दिल्ली के आरित ने कार्लसन को ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे' में ड्रॉ पर रोक दिया। आरित ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के हर मूव का शानदार जवाब दिया और उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था। हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था। सिर्फ कुछ सेकंड बचे होने के कारण वह अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके और मुकाबला ड्रॉ हो गया। यह मैच रूक बनाम दो माइनर पीसेज के एंडगेम में खत्म हुआ। गुकेश से हारने के बाद कार्लसन ने चेस बोर्ड पर गुस्सा उतारा था हाल ही में डी गुकेश का सामना करते हुए जब मैग्नस कार्लसन को हार मिली थी, तो उन्होंने अपनी झल्लाहट को खेल की मेज पर दिखाया था। हाथ पटककर उन्होंने सारे मोहरे गिरा दिए और चेस रूम से बाहर चले गए। वहीं, आर प्रागननंदा 16 वर्ष की उम्र में कार्लसन का हरा चुके हैं। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश से हारने के बाद वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मारा। कार्लसन के खिलाफ ड्रॉ- एक बड़ी उपलब्धि कार्लसन को शतरंज इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे 2013 से 2023 तक वह वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। उन्होंने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों फॉर्मेट में वर्ल्ड खिताब जीते हैं।

एआईसीएफ ने खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने बुधवार को शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी वजीफा योजना (टीएनपीएसएस) शुरू करने की घोषणा की जो प्रतिभा विकास में मदद करने के लिए एक वित्तीय सहायता पहल है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। एआईसीएफ शीर्ष युवा शतरंज प्रतिभाओं के खातों में 60 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की पहली तिमाही वजीफा राशि तुरंत भेज रहा है। अप्रैल से जून के महीनों के लिए कुल 42.30 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे। नारंग ने कहा, ''यह सिर्फ एक योजना नहीं है। यह दर्शाता है कि हम भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी पर कितना गहरा विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे इतिहास में पहली बार हम 39 लड़कियों और 39 लड़कों के भविष्य में सीधे निवेश कर रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा को सफलता में बदलने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।''

वेस्टइंडीज ने निकाली कंगारुओं की हेकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के पहले दिन बुधवार (26 जून) को पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 180 रन पर आउट कर दिया। बारबाडोस के ब्रिजटाउन में तेज गेंदबाज जायडन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 विकेट चटकाए। सील्स ने 5 और जोसेफ ने 9 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के केवल 4 बल्लेबाज ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, ब्यू वेबस्टर और पैट कमिंस दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 59 रन बनाए। इसके अलावा उस्मान ख्वाजा ने 47, पैट कमिंस ने 28 और ब्यू वेबस्टर ने 11 रन बनाए। ओपनर सैम कोनस्टास ने 3, कैमरन ग्रीन ने 3, जोश इंग्लिस ने 5, एलेक्स कैरी ने 8, मिचेल स्टार्क ने 0 और जोश हेजलवुड 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा नाथन लियोन 9 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 5 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। सील्स और जोसेफ के अलावा जस्टिन ग्रेव्स सफल रहे।

किसने किसको किया आउट

जस्टिन ग्रेव्स ने 1 विकेट लिया। उन्होंने ट्रेविस हेड को पवेलियन भेजा। जायडन सील्स ने जोश इंगलिस, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड का विकेट लिया। शमार जोसेफ ने सैम कोनस्टास, उस्मान ख्वाजा, कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर का विकेट लिया।

कैरेबियाई सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया का पहला टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया की टीम 10 साल बाद कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट मैच खेल रही है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ब्रेंडन किंग ने वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू किया। वेस्टइंडीज के कप्तान के तौर पर रस्टन चेज का पहला मैच है। उन्होंने दो साल बाद वेस्टइंडीज की टीम में वापसी की। यह उनका 50 वां टेस्ट है।

वेस्टइंडीज की प्लेइंग 11

क्रेग ब्रैथवेट, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, ब्रैंडन किंग, रोस्टन चेस (कप्तान), शाई होप (विकेट कीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडन सील्स

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, कैमरून ग्रीन, जोश इंगलिस, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

जायडन सील्स-शमार जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया को 180 पर निपटाया

शिखर बने लेखक, लिखी किताब, धोनी से जुड़ा किस्सा किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है। धवन ने अपनी किताब 'द वन : क्रिकेट, माय लाइफ एंड मोर के बारे में कहा, 'क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढ़ाव और खामोश पल भी रहे। इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं। मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है। प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा, 'पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई द वन शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है।

न्यूजीलैंड-जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। रासी वैन डेर डुसेन को न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज में साउथ अफ्रीका टीम की अगुआई करेंगे। वैन डेर डुसेन को कप्तान एडेन मार्करम की अनुपस्थिति में कप्तान नियुक्त किया गया है। कुछ अन्य नियमित खिलाड़ियों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। 'बेबी एबी' डेवाल्ड ब्रेविस लगभग दो साल से साउथ अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं।इस साल एसए 20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को पहली बार टीम में चुना गया है। पहले से ही वनडे और टेस्ट में खेल चुके कोर्बिन बॉश को टी20 में पदार्पण का मौका मिलेगा। एसए 20 में प्रभावित करने वाले एक अन्य खिलाड़ी रुबिन हरमन और राष्ट्रीय टीम के लिए अन्य दो प्रारूपों में खेलने वाले सेनुरन मुथुसामी इस सीरीज के लिए चुने गए अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी की वापसी से भी साउथ अफ्रीका को मजबूती मिली है। दोनों तेज गेंदबाज लंबे समय से चोट से उबर रहे हैं, लेकिन फिलहाल एमएलसी में खेल रहे हैं। शुकरी कॉनराड की कोचिंग में यह पहली टी20 सीरीज होगी। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 14 जुलाई को साउथ अफ्रीका और मेजबान जिम्बाब्वे के बीच होने वाले मैच से होगी। फाइनल 26 जुलाई को खेला जाएगा।

सांसद से सगाई के बाद रिंकू सिंह बनेंगे सरकारी अफसर, धोनी हैं कर्नल तो सिराज हैं DSP

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह सरकारी अफसर बनने जा रहे हैं. जी हां, सांसद प्रिया सरोज से सगाई के कुछ ही दिनों बाद उत्तर प्रदेश सरकार रिंकू सिंह को तोहफा देने वाली है. उन्हें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 के तहत रिंकू सिंह को बेसिक सिक्षा अधिकारी बनाने का फैसला लिया गया है. बता दें कि इस संबंध में बेसिक शिक्षा निदेशक ने आदेश भी जारी कर दिया है.

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले एथलीट्स के लिए नई नीति लागू की थी. रिंकू सिंह को भी इसी नीति के तहत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का पद दिया जा रहा है. अभी कुछ दिन पहले ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने 8 जून को समाजवादी पार्टी से सांसद प्रिया सरोज से सगाई की है. लखनऊ में हुए सगाई समारोह में अखिलेश यादव और जया बच्चन समेत कई गेस्ट पधारे थे.

सूर्यकुमार यादव की हुई हर्निया सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह जर्मनी के म्यूनिख में अपने पेट के निचले दाहिने हिस्से में हर्निया की सर्जरी करवाने के बाद ठीक होने की राह पर हैं। आईपीएल 2025 और मुंबई टी20 लीग में खेलने के बाद, सूर्यकुमार हर्निया के ऑपरेशन के लिए म्यूनिख जाने से पहले अपनी पत्नी देविशा के साथ यूरोप में थे। सूर्यकुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, जीवन अपडेट- पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एक आसान सर्जरी के बाद, मैं पहले से ही ठीक होने की राह पर हूं। वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह दूसरी बार है जब सूर्यकुमार ने स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी करवाई है - 17 जनवरी, 2024 को म्यूनिख में उनके कमर में इसी तरह की हर्निया की समस्या के लिए उनका ऑपरेशन किया गया था। यह दिसंबर 2023 में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान टखने की चोट के लिए सर्जरी करवाने के कुछ समय बाद हुआ था। सूर्यकुमार ने आखिरी बार भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेला था, जिसे मेजबान टीम ने इस साल की शुरुआत में 4-1 के अंतर से जीता था। 34 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस साल आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए 16 पारियों में 717 रन बनाए और आईपीएल 2025 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

हालांकि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 नहीं जीत पाई, लेकिन आईपीएल के एक संस्करण में गैर-ओपनिंग बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक रन बनाने के लिए सूर्यकुमार को सीजन का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) चुना गया। कुछ सप्ताह बाद, सूर्यकुमार बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिकवरी और रिहैब कार्यक्रम शुरू करेंगे।

तमन्ना से ब्रेकअप के बाद क्या

इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे विजय?

हाल ही में एक्टर विजय वर्मा का तमन्ना भाटिया से कथित तौर पर ब्रेकअप हुआ। ऐसा लगता है कि अब विजय वर्मा को दोबारा प्यार मिल गया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी वीडियो वायरल हो रही है, जिसके आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि विजय वर्मा दोबारा रिश्ते में हैं।

वायरल वीडियो में क्या है?

खबरें हैं कि विजय वर्मा दंगल गर्ल फातिमा सना शेख को डेट कर रहे हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक कैफे के बाहर एक वीडियो शूट की है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि विजय वर्मा और फातिमा सना शेख हंस रहे हैं और एक दूसरे से गले मिल रहे हैं। इसके बाद दोनों पैपराजी को पोज दे रहे हैं।

विजय और फातिमा के फैंस हैं उत्साहित

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की वीडियो वायरल होने के बाद कई यूजर्स हैरान हैं और कयास लगा रहे हैं कि दोनों रोमांटिक रिश्ते में हैं। हालांकि अब तक न तो विजय वर्मा ने और न ही फातिमा सना शेख ने अपने रिश्ते के बारे में कोई बात कही है। बहरहाल दोनों के फैंस उनके वायरल वीडियो को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

तमन्ना और विजय का इसी साल हुआ ब्रेकअप

आपको बता दें कि विजय वर्मा पहले तमन्ना भाटिया के साथ रिश्ते में थे। दोनों ने साल 2023 में सीरीज लस्ट स्टोरीज में एक साथ काम किया था। काई महीनों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद तमन्ना भाटिया ने फिल्म कंपेनियन को दिए इंटरव्यू में विजय के साथ रिश्ते में होने की बात कबूली थी। हालांकि इस साल मार्च में कथित तौर पर दोनों अलग हो गए।

एक साथ काम कर रहे हैं तमन्ना और विजय

यह गौरतलब है कि विजय वर्मा और फातिमा सना शेख अपकमिंग फिल्म गुस्ताख इश्क में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन विभु पुरी कर रहे हैं। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी हैं।

परिक्रमा पर बोलीं चित्रांगदा सिंह- कुछ कहानियां सुनानी जरूरी होती हैं

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म परिक्रमा को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा का मानना है कि कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। फिल्म का निर्देशन गौतम घोष कर रहे हैं। इसमें मार्को लियोनार्डी और क्रिस्टीना डोनाडियो भी अहम भूमिकाओं में हैं। चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर के साथ बीटीएस पल भी शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कुछ फिल्में हमारा मनोरंजन करती हैं और कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। परिक्रमा ऐसी ही एक फिल्म है, जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फिल्म की शूटिंग मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा ने निर्देशक गौतम घोष का आभार व्यक्त किया, जो 1997 में इटली में विटोरियो डि सिका पुरस्कार से सम्मानित होने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने लिखा, गौतम घोष, मुझे इस जर्नी का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। परिक्रमा 27 जुलाई को रिलीज हो रही है। फिलहाल फिल्म की कहानी को गोपनीय रखा गया है।

गौतम घोष ने साल 1973 में डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। फिल्म निर्माता ने कलकत्ता में थिएटर कैंपेन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन्होंने कुछ समय फोटो जर्नलिस्ट के रूप में भी काम किया। घोष ने 1973 में अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री न्यू अर्थ बनाई और उसके बाद हंग्री ऑटम बनाई।

स्वागत नहीं करोगे?

ISPL में सलमान खान की एंट्री, दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक बने भाईजान

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग का तीसरा सीजन दस्तक देने वाला है। इससे पहले एक रोचक खबर आई है। लीग में सलमान खान की एंट्री हो गई है। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत से पहले अभिनेता सलमान खान का नाम इससे जुड़ गया है। आज बुधवार को लीग की तरफ से यह एलान किया गया है कि बॉलीवुड के भाईजान उसकी नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक होंगे। बता दें कि इस लीग से कुछ सिने सितारों का नाम पहले से जुड़ा हुआ है।

दिल्ली टीम के मालिक बने सलमान

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के पिछले दो सफल सीजन के बाद अब तीसरा सीजन शुरू होने वाला है। इस बार सलमान खान ने भी एक टीम खरीदी है। वे लीग के नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। लीग ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर बोलीं कंगना रनौत - 1975 में संविधान का गला घोंटा गया था, इतिहास से सबक लेना ज़रूरी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। कुल्लू में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने 1975 में लगाए गए आपातकाल को देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर सबसे बड़ा हमला बताया।

कंगना ने कहा, हम लोग यह नहीं चाहते कि आज की जो पीढ़ी है या जो लोग इसके (आपातकाल) बारे में नहीं जानते, उन्हें कांग्रेस भ्रमित करे। हमें अपने इतिहास से सीख लेनी चाहिए और यह हमारी इस पीढ़ी की भी ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को कुचल दिया गया था और संविधान का गला घोंटा गया। यह बताना ज़रूरी है कि किस तरह

लोकतंत्र को दबाने की कोशिश की गई थी। मैं हमारी सरकार का धन्यवाद करती हूं, जिसने इस काले अध्याय को उजागर करने का बीड़ा उठाया है।

कंगना ने युवाओं से अपील की कि वे इतिहास के इस हिस्से को जानें और समझें कि कैसे देश ने अंधकारमय दौर का सामना किया था। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी घटनाओं से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए ताकि लोकतंत्र की नींव और मजबूत हो सके। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में चिन्हित करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों की घोषणा की है।

सोशल मीडिया पर हो रही जबरदस्त ट्रोलिंग देखकर घबराए Ram Kapoor

फैंस के सामने पेश की सफाई

राम कपूर ने मीडिया इंटरेक्शन के दौरान वर्क प्रेशर की तुलना गैंग रेप से कर डाली थी. इस दौरान राम कपूर ने अपने कपड़े सही कर रही जर्नलिस्ट को लेकर भी एक भद्दा कमेंट किया था. अब इस पर एक्टर ने इस पर सफाई दी है.

बॉलीवुड एक्टर राम कपूर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. राम कपूर बीते कुछ समय से अपनी वेब सीरीज मिस्त्री के प्रमोशन में जुटे हुए थे. एक इवेंट में राम कपूर ने कुछ ऐसा कह दिया था जिसकी वजह से लोगों ने उनको ट्रोल करना शुरू कर दिया था. राम कपूर ने मीडिया इंटरेक्शन के दौरान वर्क प्रेशर की तुलना गैंग रेप से कर डाली थी. इस दौरान राम कपूर ने अपने कपड़े सही कर रही जर्नलिस्ट को लेकर भी एक भद्दा कमेंट किया था. राम कपूर यहीं नहीं रुके जमाने के सामने राम कपूर सेक्स को लेकर भी जोक मारते नजर आए. ऐसा करके राम कपूर बुरी तरह से फंसलगए. पहले तो वेब सीरीज मिसेत्री की टीम ने राम कपूर के प्रमोशन से बैन किया. जिसके बाद लोगों ने राम कपूर को आड़े हाथ लेना शुरू कर दिया.

विवाद के बाद राम कपूर ने दी सफाई, कही ये बात

बीते कुछ समय से लगातार राम कपूर लोगों के निशाने पर बने हुए हैं. इसी बीच राम कपूर ने अपनी सफाई पेश करे सबको चौंका दिया है. अपने एक बयान में राम कपूर ने इस बारे में खुलकर बात की है, राम कपूर ने कहा, मैं ये बात मानता हूं कि मैं गलत था लेकिन मुझे ये नहीं पता था कि मेरा बयान लोगों को अनकंफर्टेबल कर देगा. मैं तो बस मीडिया से ऐसे ही बात कर रहा था मैंने नहीं सोचा था कि मेरी बात किसी को बुरी भी लग सकती है.

Ram Kapoor ने मांगी माफी

आगे राम कपूर ने कहा, मेकर्स ने जो भी किया है मैं उसकी इज्जत करता हूं. मैं हर उस शख्स से माफी मांगना चाहता हूं जिसे मेरा बयान बुरा लगा है. राम कपूर के इस बयान ने एक बात तो साफ कर दी है कि उनको पता है कि उनसे क्या गलती हुई है. अच्छी बात ये है कि सही समय रहते हुए राम कपूर ने इस बात के लिए माफी मांग ली है. ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि लोग राम कपूर को उनकी इस गलती के लिए माफ करेंगे या फिर नहीं...

5 साल बाद छोटे पर्दे पर कमबैक को तैयार वंदना पाठक

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस वंदना पाठक पांच साल के बाद टेलीविजन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही जी टीवी के नए शो तुम से तुम तक में नजर आएंगी। इस शो के साथ वंदना एक बार फिर सेट पर कदम रखने और दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। हम पांच और खिचड़ी जैसे लोकप्रिय शोज देने वाली अभिनेत्री वंदना ने कहा, जी टीवी मेरे लिए घर जैसा है और मेरे दिल का एक हिस्सा है। करियर की शुरुआत मैंने जी टीवी के हम पांच के साथ की थी। शो ने मुझे न केवल पहचान दी, बल्कि ऐसी यादें भी दीं, जो आज भी मेरे दिल में बसी हैं। उनके लिए इतने सालों बाद उसी चैनल पर वापसी करना इमोशनल पल है। उन्होंने बताया, पांच साल के ब्रेक से पहले मेरा आखिरी शो भी जी टीवी पर था। मैं कुछ खास और अर्थपूर्ण किरदार का इंतजार कर रही थी और तुम से तुम तक मेरे लिए बिल्कुल सही लगा। तुम से तुम तक एक अनोखी प्रेम कहानी है, जो दो अलग-अलग व्यक्तियों (19 साल की अनु और 46 साल के बिजनेसमैन आर्यवर्धन) के बीच के गहरे भावनात्मक कनेक्शन को दिखाती है। यह शो प्रेम, उम्र और सामाजिक अपेक्षाओं पर सवाल उठाता है।

अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती : आर. माधवन

आर. माधवन और फातिमा सना शेख की आगामी फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। इसमें प्यार, इमोशन्स और रिश्तों की कहानी देखने को मिलेगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर बनाई थी। इस फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास जैसे कलाकार अहम किरदार में हैं। फिल्म आप जैसा कोई में आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी के किरदार में हैं, वहीं फातिमा मधु बोस नाम की महिला के रोल में है।

कहानी में दोनों एक ऐसे रिश्ते में हैं, जहां दोनों एक-दूसरे को समझते हैं और बराबर सम्मान देते हैं। अपने किरदार श्रीरेणु के बारे में बात करते हुए आर. माधवन ने कहा, आप जैसा कोई अब तक की मेरी बाकी लव स्टोरीज से बहुत अलग है। यह कहानी शांत, थोड़ी अजीब और मानवीय है। मेरा किरदार श्रीरेणु एक ऐसा इंसान है जो प्यार और साथ चाहता है, लेकिन अपने दिल की बात
क ह
नहीं पाता। बाहर से भले ही वह चुप और झिझकता हुआ लगे, लेकिन अंदर से वह बहुत इमोशनल है। कहानी की खासियत बताते हुए माधवन ने आगे कहा, फिल्म उन लोगों के लिए है जो प्यार या जिंदगी में नजरअंदाज किए गए हैं। यह फिल्म संदेश देती है कि अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती। यह कहानी कमजोरी और हिम्मत की, खुद को फिर से खोजने की और दिल खोलकर दोबारा प्यार करने के बारे में है। फातिमा सना शेख ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। फिल्म में मेरा किरदार मधु मेरे लिए बेहद खास है। आमतौर पर हम हिम्मत और आत्मविश्वास को मर्दों से जोड़ते हैं, लेकिन मेरा किरदार मधु इन गुणों को नारीत्व और कोमलता के साथ निभाती है। उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के जरिए मुझे प्यार के कई रंगों को महसूस करने और निभाने का मौका मिला। यह मेरे लिए थेरेपी जैसा अनुभव रहा, जिसने दिल और दिमाग को सुकून दिया। फातिमा ने आगे कहा, डायरेक्टर विवेक सोनी के साथ काम करने का अनुभव शानदार था। उनका कहानी कहने का अपना अलग अंदाज है। मुझे खुशी है कि मैं नेटफ्लिक्स, धर्मेटिक एंटरटेनमेंट, विवेक और माधवन जैसे कलाकारों के साथ इतनी खास कहानी का हिस्सा बन पाई।

आप जैसा कोई फिल्म 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने जुगजुग जियो के सेट पर बिताए पलों को किया याद, बताया सबसे अच्छा शूट

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जुगजुग जियो के सेट पर बिताए अपने समय को याद करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इसे अब तक का अपना सबसे अच्छा शूट बताया। दरअसल, अभिनेत्री ने 2022 में रिलीज हुई फिल्म जुगजुग जियो में अनिल कपूर की प्रेमिका मीरा मल्होत्रा ??की भूमिका निभाई थी। फिल्म के तीन साल पूरे होने पर अभिनेत्री ने फैमिली कॉमेडी ड्रामा पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, जुगजुग जियो के तीन साल, राज मेहता और धर्मा मूवीजी के साथ मेरी दूसरी फिल्म। उन्होंने लिखा कि कॉमेडी फिल्में शूट करने में बहुत मजा आता है और मैं अपने अगले कॉमिक रोल के लिए भगवान से प्रार्थना कर रही हूं। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें फिल्म के कुछ सीन्स और को-स्टार अनिल कपूर तथा नीतू सिंह के साथ सेल्फी भी शामिल हैं। राज मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म जुगजुग जियो में वरुण धवन, कियारा आडवाणी, मनीष पॉल और प्राजक्ता कोली मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और वायाकॉम 18 स्टूडियोज ने मिलकर बनाया था। फिल्म ने मंगलवार को रिलीज के तीन साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर वरुण, कियारा और मनीष ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। टिस्का सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, वह अपने फैंस के लिए कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इससे पहले उन्होंने आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर देखने के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म के कास्ट और क्रू के साथ एक खुशी भरी तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा था, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता।

साभार एजेंसी